पटना ● शनिवार, 20 जुलाई 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः189 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

बॉर्डर न्यूज मिरर

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

"खबरों से समझौता नहीं"

मानव तस्करी एक गंभीर चुनौती है... 3 www. bordernewsmirror.com समृद्धि शुक्ला ने अपनी... 8

उत्तराखंड सरकार का फैसला

चार धाम के नाम पर दूसरे मंदिर-ट्रस्ट नहीं बनेंगे

दिल्ली में केदारनाथ मंदिर बनाने का शंकराचार्य ने विरोध किया था

देहरादून (एजेंसी)। देश में चार धाम- बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के नाम से दूसरा मंदिर या ट्रस्ट नहीं बनेगा। मंदिरों से मिलता-जुलता नाम रखने पर भी सख्त एक्शन लिया जाएगा। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में इस पर कानून बनाने का फैसला किया गया है।

दरअसल, 10 जुलाई को दिल्ली के बुराड़ी में 'श्री केदारनाथ धाम' नाम से मंदिर का शिलान्यास हुआ था। इसमें उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी शामिल हुए थे। 15 जुलाई को मुंबई में गोवर्धन पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और प्रमुख संतों ने इसका विरोध किया था। दिल्ली के बुराड़ी में 10 जुलाई को केदारनाथ धाम नाम से मंदिर का उद्घाटन कार्यक्रम में सीएम पुष्कर सिंह धामी भी शामिल हुए थे।

लोगों के बीच असमंजस की स्थिति बन रही है- कैबिनेट मीटिंग के बाद मुख्यमंत्री के सचिव शैलेश बगौली ने कहा- हमारी जानकारी में आया है कि उत्तराखंड के चार धाम (केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री) के साथ कई अन्य प्रमुख मंदिरों के नाम का इस्तेमाल करके दूसरे मंदिर और ट्रस्ट बनाए जा रहे हैं। इससे लोगों के बीच असमंजस की स्थिति बन रही है। साथ ही स्थानीय परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं को ठेस पहुंच रही है। स्थानीय लोगों

के बीच आक्रोश का माहौल बन रहा है। ऐसे में सरकार ने इसको लेकर कड़े प्रावधान लाने का प्रस्ताव पास किया है।

दिल्ली में श्री केदारनाथ धाम नाम से मंदिर बनाने का विवाद हुआ था

दिल्ली के बुराड़ी स्थित हिरनकी में 10 जुलाई को 'श्री केदारनाथ धाम' नाम से मंदिर का शिलान्यास हुआ। कार्यक्रम में उत्तराखंड के सीएम पुष्कर धामी भी थे। हालांकि मंदिर के शिलान्यास के बाद केदारनाथ धाम के तीर्थ पुरोहित, संतों और स्थानीय लोग ने विरोध किया।

क्राउडस्ट्राइक के अपडेट से माइक्रोसॉफ्ट की सर्विस ठप

दुनियाभर में 1400 फ्लाइट कैंसिल; बैंक, स्टॉक मार्केट और टीवी चैनल पर भी असर

भारत समेत एयरलाइन कंपनियों का कामकाज रुका, चेक-इन भी प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। एंटीवायरस 'क्राउडस्ट्राइक' के अपडेट से माइक्रोसॉफ्ट की क्लाउड सर्विसेज में शुक्रवार को दिक्कत आ गई। इसकी वजह से दुनियाभर में एयरलाइंस, टीवी टेलिकास्ट, बैंकिंग और कई कार्पोरेट कंपनियों के कामकाज पर असर पड़ा है। अमेरिका, ब्रिटेन और भारत जैसे कई देशों में 1 हजार से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हो गई हैं। वहीं 3 हजार विमानों ने देरी से उड़ान भरी।

भारत में, 5 एयरलाइन- इंडिगो, स्पाइसजेट, अकासा एयर, विस्तारा और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बताया कि उनकी बुकिंग, चेक-इन और फ्लाइट अपडेट सर्विस इस तकनीकी समस्या से प्रभावित हुई है। एयरपोर्ट पर लोग सर्विसेज नहीं मिलने से परेशान हो रहे हैं। हैदराबाद और बेंगलुरु में ज्यादातर कॉर्पोरेट कंपनीज में वायरस अटैक की बात कही जा रही है। सिस्टम ब्लू स्क्रीन में आने के

बाद रीस्टार्ट हो रहे हैं। हैदराबाद में कई कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को अगले 2 घंटे तक सिस्टम ऑफ करने को कहा है। ब्लू स्क्रीन ऑफ डेथ एक क्रिटिकल एरर स्क्रीन है जो विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम पर दिखाई देती है।

क्राउडस्ट्राइक के अपडेट के कारण माइक्रोसॉफ्ट की सर्विस ठप हुई- दुनिया भर में माइक्रोसॉफ्ट विंडोज के कुछ यूजर्स को अपने लैपटॉप पर नीली स्क्रीन दिखाई दे रही है। इससे उनके सिस्टम ऑटोमैटिकली रीस्टार्ट या शटडाउन हो गए हैं। डेल टेक्नोलॉजीज ने कहा कि यह समस्या हालिया क्राउडस्ट्राइक अपडेट के कारण हुई है।

पठानकोट में अलर्ट

सेना की वर्दी में फिर दिखे चार संदिग्ध, पुलिस ने की घेराबंदी, हर गली-चौराहे पर जवान तैनात

पठानकोट (पंजाब) (एजेंसी)। जेएंडके में हुए आतंकी हमलों के बाद एक बार फिर से पंजाब के पठानकोट में चार संदिग्ध देखे गए हैं। चारों संदिग्ध सेना की वर्दी में हैं। पठानकोट में इससे पहले भी तीन संदिग्ध देखे गए थे, लेकिन पुलिस व आर्मी उन्हें ढूंढ नहीं पाई थी। उसके बाद से ही पठानकोट पुलिस ने सुरक्षा का घेरा पूरी तरह से कड़ा किया है। फिर भी संदिग्धों की जिले में दूसरी बार मूवमेंट देखी गई है। ऐसे में जेएंडके व हिमाचल प्रदेश की सीमा से सटे नाकों पर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई हुई है।

पठानकोट के हलका सुजानपुर क्षेत्र के गांव पडियां लाहड़ी निकट चक्क माधो सिंह में सेना वर्दी में चार संदिग्ध देखे हैं। जिस जगह संदिग्ध देखे उक्त खेत का मालिक मनवाल बाग का रहने वाला है और उसने जमीन की देखभाल के लिए 50 वर्षीय रूपलाल नाम को रखा हुआ है। इस पूरे वाक्य ने जिले में दोबारा दहशत का माहौल बना दिया है।

तुम्हारे गांव में कुत्ते बहुत भौंकते हैं

रूप लाल ने बताया कि संदिग्ध उससे कह रहे थे कि तुम्हारे इस गांव में कुत्ते बहुत भौंकते हैं। यह बात करके वह चारों वापस खड्ड की तरफ चले गए। रूप लाल ने बताया कि संदिग्धों के बूट कीचड़ से भरे पड़े थे, मानो जैसे वे किसी कीचड़ भरा रास्ता पार करके आए हों। सुबह होने पर रूप लाल ने खेतों के पास बने फार्म हाऊस में काम करने वाले प्रीतम चंद को घटना संबंधी जानकारी दी। प्रीतम चंद ने अपने मालिक चरणजीत और गांव के कुछ लोगों को बताया। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया।

मामून क्षेत्र में सेना का बेस

जो संदिग्ध मामून क्षेत्र का रास्ता पूछ रहे थे वे क्षेत्र पूरी तरह से सेना बेस में तबदील है। दाएं-बाएं सेना ने अपने कैंप और पोस्टें बनाई हुई है। संदेह यह भी जाता है कि अगर चारों लोग मामून का रास्ता पूछ रहे थे तो क्या उनका टारगेट पठानकोट में भी सेना तो नहीं क्योंकि जेएंडके में जितने भी आतंकी हमले हुए उनमें सबसे ज्यादा सेना पर ही अटैक किए गए हैं। मामून ही नहीं पूरा जिले ही सेना बेस से घिरा हुआ है।

लखनऊ में आरएसएस और भाजपा की बड़ी बैठक, कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर होगी चर्चा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कोर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक 20 और 21 जुलाई को होने जा रही है। इस बैठक में आरएसएस और भाजपा के शीर्ष पदाधिकारी शामिल होंगे और कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी लखनऊ में मौजूद- सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, आरएसएस के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार बैठक में मौजूद रहेंगे और आगामी एक-दो दिनों में संघ के शीर्ष पदाधिकारी भी लखनऊ पहुंचेंगे। इन पदाधिकारियों के साथ समन्वय बैठक होगी जिसमें आरएसएस और भारतीय जनता पार्टी के विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। वहीं राजनीतिक गलियारों में उत्तर प्रदेश में बड़े बदलाव होने के कयास के बीच 5 प्रमुख चेहरों को लखनऊ में ही मौजूद रहने को कहा गया है।

स्कूल में घुसकर हेड मास्टर-टीचर को मारे चाकू, जोधपुर रेफर

बालोतरा (एजेंसी)। आठवीं तक के सरकारी स्कूल में शुक्रवार दोपहर एक सरफिरा चाकू और पेट्रोल की कैन लेकर घुस गया। उसने एक क्लासरूम में घुस दरवाजा बंद कर लिया। क्लासरूम में टीचर बच्चों को पढ़ा रही थी। युवक ने टीचर पर पेट्रोल डालने की कोशिश की। कमरे में आए हेड मास्टर और अन्य टीचर पर उसने चाकू से हमला कर

गंभीर घायल कर दिया। स्टाफ व ग्रामीणों ने उसे मुश्किल में काबू किया। मामला बालोतरा जिले के धारणा गांव के राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल का है। घटना शुक्रवार दोपहर 12.15 बजे हुई।

पेट्रोल की बोतल हाथ में लेकर घुसा स्कूल में डीएसपी नीरज शर्मा ने बताया- दोपहर करीब 12:15 बजे के समय एक व्यक्ति हाथ में पेट्रोल की बोतल लेकर अंदर घुसा। जब वह कक्षाओं में जाने लगा तो टीचर्स ने उसे रोका। इस दौरान उसने चाकू से टीचर्स पर हमला कर दिया। हमले में प्रधानाचार्य हरदयाल सैनी और टीचर सुरेश राजपुरोहित घायल हो गए।

उ.प्र. में बाढ़, काशी में गंगा के 30 घाट डूबे

● गोरखपुर में एनडीआरएफ तैनात, मुंबई में 10 घंटे में 101 मिमी बारिश; 13 राज्यों में अलर्ट ● सुपौल में महादेव का मंदिर भी कोसी नदी में समाया

नई दिल्ली/लखनऊ/पटना (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में लगभग 1 हफ्ते से बाढ़ के हालात बने हुए हैं। बाढ़ का सबसे ज्यादा असर गोरखपुर में है। यहां राप्ती नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। अब तक 55 से ज्यादा गांव डूब चुके हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी की टीम 100 नावें लगाकर राहत-बचाव के काम में जुटी है।

गंगा नदी भी उफान पर

गंगा नदी भी उफान पर है। वाराणसी में गंगा में 30 घाट डूब चुके हैं। दशाश्वमेध घाट के गंगा आरती स्थल तक पानी पहुंच गया है। अस्सी घाट की पुराने आरती स्थल की जगह बदल दी गई है। आज आरती 4 फीट पीछे होगी। उधर, बिहार के नेपाल से सटे इलाकों में भी बाढ़ की स्थिति बनी हुई है।

पोरबंदर में भारी बारिश के बाद बाढ़- गुजरात के पोरबंदर में भारी बारिश के बाद आई बाढ़ से प्रभावित लोगों को फायर ब्रिगेड ने बचाया। शिमला आइस फैक्ट्री और रोकाडिया हनुमान मंदिर के पास के इलाके से एक विकलांग दंपती और 13 अन्य लोगों को पानी में डूबे हुए घरों से निकाला गया।

कर्नाटक में दीवार गिरने से तीन की मौत

उधर कर्नाटक में शुक्रवार सुबह भारी बारिश हुई। शिगांव के मदापुरा गांव में एक घर की दीवार गिरने से एक ही परिवार के 2 बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने आज 13 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

मध्य प्रदेश, राजस्थान में भारी बारिश का अलर्ट- आईएमडी ने 8 राज्यों गोवा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है।

वहीं, 5 राज्यों मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान और हरियाणा भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

राजस्थान विधानसभा स्पीकर बोले-

मुझे धृतराष्ट्र कहते हो, ये शर्मनाक

नेता प्रतिपक्ष जूली ने माफी मांगी; डोटासरा ने कहा- थोड़ी इनायत हमारी तरफ रखिए

जयपुर (एजेंसी)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के स्पीकर वासुदेव देवनानी को धृतराष्ट्र कहने के मामले में सदन में जमकर हंगामा हुआ। इस कारण विधानसभा की कार्यवाही को स्पीकर ने पहले एक घंटे और फिर आधे घंटे के लिए स्थगित कर दिया।

हालांकि बाद में विधानसभा में गतिरोध दूर हो गया। अब सदन में स्वास्थ्य की अनुदान मांगों पर बहस चल रही है। दरअसल, आज शून्यकाल की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष ने कल अनुदान मांगों पर जवाब के दौरान हुए हंगामे और मंत्रियों के आचरण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि कल जिस तरह मंत्रियों ने आचरण किया, असंसदीय शब्द बोले उन्हें कार्यवाही से नहीं निकाला, इसलिए बाहर जाकर बोलने की नौबत आई। जूली ने कहा कि अध्यक्षजी, आपका झुकाव विपक्ष की तरफ रहना चाहिए, लेकिन हम देखते हैं आपका झुकाव सत्ता पक्ष की तरफ रहता है। इस पर स्पीकर ने कहा कि तो क्या आप आसन को धृतराष्ट्र कहेंगे। मुझे आपने धृतराष्ट्र कहा, आसन के प्रति इस तरह की टिप्पणी शर्मनाक है। इस पर माफी मांगनी चाहिए।

बिलकिस बानो गैंगरेप केस- 2 आरोपियों ने मांगी अंतरिम जमानत

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो रेप केस के दो दोषियों राधेश्याम भगवानदास और राजूभाई बाबूलाल सोनी की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। दोनों ने जेल से जल्दी रिहाई के लिए उनकी याचिका पर नया फैसला आने तक अंतरिम जमानत के लिए याचिका दायर की थी।

एनसीबी ने मुंबई में 10 करोड़ कीमत के मेफेड्रोन ड्रग्स के साथ व्यक्ति को गिरफ्तार किया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने 10करोड़ की कीमत वाले 5 किलोग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स के साथ एम एस शेख नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एनसीबी के अधिकारी ने बताया कि युवक के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। आरोपी ने मुंबई में ड्रग्स सप्लाई करने के लिए हैदराबाद से मंगवाया था। शेख मेफेड्रोन की इंटर स्टेट तस्करी गैंग में शामिल है।

पानी...पानी चिल्लाता रहा बेटा 'मां बनी हैवान' बेरहम मां की विचलित कर देने वाली वीडियो वायरल

हरिद्वार (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक मां अपने बच्चे को बेरहमी से पीटते नजर आई है। इस वीडियो के बाद लोगों द्वारा मां की गिरफ्तारी की मांग की जा रही है।

पति ने किया बच्चों की पिटाई का वीडियो वायरल- दरअसल, उक्त मामला हरिद्वार के झबरेड़ा इलाके का है, जहां एक मां अपने 11 साल के बच्चे को पीट रही है। लेकिन महिला का कहना है कि यह सब अपने नशेड़ी पति को डराने और सबक सिखाने के लिए वीडियो को बनवाया गया था, ताकि वह घर के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझे। महिला का कहना है कि नाटक के तौर पर उसने अपने बेटे के सीने पर अपना सिर रखा था और उसे घूसों से मारते दिखाया गया। बच्चा रोते हुए पानी की मांग कर रहा है, लेकिन मां उसे बेरहमी से पीटते हुए दांतों से काट रही है। अब पति ने बच्चे की पिटाई का ये वीडियो सोशल मीडिया में वायरल कर दिया है।

पति को सबक सिखाने के लिए बनाया था वीडियो- महिला का कहना है कि उसने पति से पिछले 10 सालों से विवाद चल रहा है। महिला का आरोप है कि उसका पति सहारनपुर में कपड़े की दुकान में काम करता है लेकिन नशे में सारे रुपए उजाड़ देता है और उसे कोई खर्च भी नहीं देता। महिला किसी दुकान पर काम कर किसी तरह से अपने घर का खर्च चलाती है। महिला ने बताया कि उसने अपने पति को डराने और घर की जिम्मेदारियों का आभास कराने के उद्देश्य से यह वीडियो बनवाया था।

पटना में तीन नए रूटों पर सिटी बस सेवा शुरू

ई टिकट भी मिलेगा, लोकेशन ट्रैक कर सकेंगे यात्री

इन बसों ई टिकटिंग की सुविधा बी होगी, साथ ही यात्री चलो ऐप से बसों की लोकेशन ट्रैक कर सकेंगे

पटना , एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में तीन नए रूटों पर सिटी बस सेवा शुरू की गई है। आईजीआईएमएस अस्पताल के मरीजों को अब परिसर से ही पटना जंक्शन, दानापुर स्टेशन, बैरिया स्थित पाटलिपुत्र बस स्टैंड, राजेंद्र नगर टर्मिनल, इनकम टैक्स और गांधी मैदान आ-जा सकेंगे। इन जगहों पर जाने वालीं अन्य सरकारी सिटी बसें भी अस्पताल परिसर स्थित स्टैंड में रुकेंगी, यहां से खुलेंगी। इन बसों ई टिकटिंग की सुविधा बी होगी। साथ ही यात्री चलो ऐप से बसों की लोकेशन ट्रैक कर सकेंगे। गुरुवार को आईजीआईएमएस बस स्टैंड से स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, परिवहन विभाग के मंत्री शीला मंडल, विधायक संजीव चौरसिया,सचिव संजय कुमार अग्रवाल, संस्थान के निदेशक डॉ. बिंदे कुमार, उपनिदेशक डॉ. विभूति प्रसन्न सिन्हा, अधीक्षक डॉ. मनीष मंडल ने हरी झंडी दिखाकर बसों को रवाना किया। परिचालन बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की ओर से छह रूटों पर किया जाएगा। मौके पर परिवहन आयुक्त विशाल राज, प्रशासक अभय झा समेत अन्य उपस्थित थे। उपनिदेशक डॉ. विभूति ने बताया कि मरीजों की सुविधा के लिए बसों का न्यूनतम किराया 6 रुपये और अधिकतम 37 रुपये रखा गया है।

मरीज एवं परिजनों को आने-जाने में मिलेगी राहत स्वास्थ्य मंत्री

बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के बाद स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि परिवहन विभाग की मदद से इन बसों का नियमित परिचालन होगा। इससे मरीजों को आने-जाने में काफी सुविधा मिलेगी। अब कैंपस से करीब डेढ़ किमी पैदल चलकर मेन गेट तक नहीं जाना पड़ेगा। विधायक संजीव चौरसिया ने कहा कि इससे खासकर गरीब मरीजों को काफी राहत मिलेगी। परिवहन मंत्री शीला मंडल व सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि मरीजों के हित में बसों की संख्या और बढ़ाई जाएगी। परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि आईजीआईएमएस कैंपस से कुल छह सीएनजी बसें विभिन्न मार्गों पर 52 ट्रिप चलेंगी। बसों में ई-टिकटिंग की व्यवस्था होगी तथा सभी बसों में 65 प्रतिशत सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होगी।

आईजीआईएमएस से विभिन्न जगहों का किराया

- दानापुर रेलवे स्टेशन 13 रुपये
- पाटलिपुत्र बस टर्मिनल 25 रुपये
- गांधी मैदान बस पड़ाव 13 रुपये
- इनकम टैक्स 6 रुपये
- पटना जंक्शन 9 रुपये
- राजेंद्र नगर टर्मिनल 13 रुपये
- एनएमसीएच 18 रुपये
- दानापुर स्टेशन से बैरिया 37 रुपये

इन मार्गों पर चलेंगी बसें

1. सगुना मोड़-गोला रोड-पाटलिपुत्र स्टेशन मोड़-जगदेवपथ-आशियाना मोड़-आईजीआईएमएस-सचिवालय-इनकम टैक्स गोलंबर-पटना जंक्शन। इस मार्ग पर दो बसें चलेंगी, जो प्रतिदिन 20 ट्रिप करेंगी।
2. आईजीआईएमएस-सचिवालय-इनकम टैक्स गोलंबर-पटना जंक्शन-राजेन्द्र नगर टर्मिनल-एनएमसीएच-धनुकी मोड़-जीरो माइल. इस मार्ग पर प्रतिदिन 16 ट्रिप पूरी करेंगी.
3. सगुना मोड़-गोला रोड-पाटलिपुत्र स्टेशन मोड़-जगदेवपथ-आशियाना मोड़-आईजीआईएमएस-सचिवालय-इनकम टैक्स गोलंबर-पटना जंक्शन-राजेन्द्र नगर टर्मिनल-एनएमसीएच-धनुकी मोड़-जीरो माइल. इस लंबे मार्ग पर भी दो बसें चलेंगी, जो प्रतिदिन 16 ट्रिप करेंगी।

संक्षिप्त समाचार

दुकान के गैस सिलेंडर में लगी आग, मची अफरा तफरी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मिठनपुरा में क्लब रोड स्थित एक बर्गर की दुकान में गुरुवार रात करीब आठ बजे आग लग गई। आग की लपेटे गैस सिलेंडर के पाइप में पकड़ लिया। इसके बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। स्थानीय दुकानदारों की मदद से आग पर काबू पाया गया। आग बुझाने के प्रयास में बर्गर दुकान के स्टाफ रामबाग निवासी सुभम और आंकित के हाथ व गर्दन आदि झुलस गए। दुकानदार राकेश कुमार ने बताया कि वह बर्गर बना रहे थे। कई ग्राहक पास में ही खड़े होकर खा रहे थे। इसी बीच अचानक आग लग गई। सिलेंडर के पाइप में आगे पकड़ लिया। जिसे बुझा लिया गया। बता दें कि इस रोड में सड़क के दोनों लेन पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर शाम के बाद 50 से अधिक फास्टफुड के ठेले लगाया जाता है। इससे काफी भीड़ भाड़ रहती है।

मुहर्रम को लेकर छह थानों में 280 लोगों पर केस

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुहर्रम में ताजिया व अखाड़ा जुलूस के दौरान डीजे बजाने, दूसरे देश का झांडा लहराने, लाइसेंस की नियम का पालन नहीं करने आदि को लेकर 280 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें 66 जुलूस के लाइसेंसधारी व डीजे संचालक नामजद आरोपित बनाए गए हैं। जबकि बवाल व हंगामा करने को लेकर 220 लोगों को आरोपित बनाया गया है। सिटी एसपी अवधेश दीक्षित ने बताया कि यह सभी एफआईआर अहियापुर, मिठनपुरा, काजी मोहम्मदपुर, बेला, कांटी और बरुराज थाने में दर्ज की गई है। अहियापुर में डीजे जब्ती के दौरान पुलिस पर पथराव किया गया था। बरुराज में फिलिस्तीन का झंडा लहराया गया था। कांटी, मिठनपुरा, बेला व काजी मोहम्मदपुर में डीजे बजाया गया था।

ताड़ के पेड़ से गिरने से एक व्यक्ति की मौत

सहरसा, एजेंसी। बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के मधुवन गांव में गुरुवार को ताड़ के पेड़ से गिरने से एक 33 वर्षीय व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गया। हालांकि घटना के बाद उसे अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया। चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक व्यक्ति थाना क्षेत्र मधुवन गांव के वार्ड संख्या 05 निवासी रामदेव शर्मा के पुत्र धर्मलाल शर्मा है। घटना के संबंध में अस्पताल में मृतक के भाई छोटेलाल शर्मा ने बताया कि उसका भाई गुरुवार को ताड़ के पेड़ पर चढ़कर छज्जा काट रहा था। इसी दौरान उसका हाथ छूट गया और वह पेड़ पर से अनियंत्रित होकर गिर गया।

भाई को गोली मारने वाला पवन भाग निकला नेपाल

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। कांटी के दामोदरपुर काशीनगर गांव में शशिभूषण श्रीवास्तव को गोली मारने के बाद उसका भाई शातिर पवन श्रीवास्तव नेपाल फरार हो गया है। कांटी थाने की पुलिस ने उसके कई करीबियों से पूछताछ की है। पुलिस ने उनको चेतावनी दी है कि सरेंडर नहीं करने पर पवन के घर की कुर्की जब्ती की जाएगी। इसके अलावा इस कांड में शामिल कांटी के तीन अन्य आरोपितों की पुलिस तलाश कर रही है। वहीं, घायल शशिभूषण श्रीवास्तव अभी पटना के एक अस्पताल में भर्ती है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस जांच में पता चला है कि पवन के हवेली नामक घर में शराब पार्टी के दौरान शशिभूषण को गोली लगी थी। पवन ने ही पिस्टल से गोली चलाई थी। वारदात के बाद घटनास्थल से लेकर अस्पताल तक पवन पुलिस को घूमाता रहा। जब पुलिस ने घटनास्थल की जांच शुरू की तो पवन की पोल खुल गई। पवन 14 जुलाई की रात में ही फरार हो गया। उसके मोबाइल कॉल और टॉवर लोकेशन से पुलिस तलाश कर रही है। डीएसपी पश्चिमी अभिषेक आनंद ने बताया कि मुख्य आरोपित पवन के नेपाल भाग जाने की आशंका है। अन्य आरोपितों की तलाश चल रही है। पवन सरेंडर नहीं करता है तो हवेली नामक उसके घर की कुर्की जब्ती की जाएगी। इधर, घायल शशिभूषण की स्थिति ठीक नहीं रहने के कारण पुलिस उसका बयान नहीं दर्ज कर पाई है। उसकी पत्नी अमृता कुमारी के बयान पर पवन के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई है। अमृता ने पुलिस को बताया है कि उसके पति स्कूटी से पवन के हवेली नामक घर पर गए थे। गोली लगने के एक घंटे के बाद उसे आठ बजे सूचना मिली तब वह अस्पताल पहुंची। अस्पताल में परिवार के सारे लोग अमृता को ढांढ़स देने आए, लेकिन पवन उसके सामने नहीं आया।

पुल निर्माण कंपनी एसपी सिंगला के ठिकानों पर ईडी की रेड, पटना समेत कई जगहों पर एक साथ छापेमारी

पटना, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जानी मानी पुल निर्माण कंपनी एसपी सिंगला ग्रुप के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। कंपनी के कई ठिकानों पर शुक्रवार को एक साथ छापेमारी की गई। बिहार के पटना, हरियाणा के पंचकूला समेत अन्य शहरों में तलाशी ली जा रही है। पटना के बोरिंग रोड, गंगा प्रोजेक्ट ऑफिस में ईडी के अधिकारी पहुंचे हैं। बताया जा रहा है कि आईएएस संजीव हंस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में यह कार्रवाई की गई है। हालांकि, ईडी अधिकारियों ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है। हाल ही में ईडी ने बिहार के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संजीव हंस और आरजेडी के पूर्व विधायक गुलाब यादव के ठिकानों पर छापेमारी की थी। जांच एजेंसी को उनके ठिकानों से कीमती घड़ियां समेत संपत्तियों के कई कागजात मिले थे। संजीव हंस अभी ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव हैं। वे पुल निर्माण निगम के एमडी रह चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक निगम में पद पर रहने के दौरान संजीव पर एसपी सिंगला ग्रुप से अवैध

लेनदेन के आरोप लगे हैं। ईडी इसी मामले में सबूत इकट्ठा करने के लिए कंपनी के ठिकानों पर शुक्रवार को छापेमारी करने पहुंची। हालांकि, आधिकारिक रूप से जानकारी मिलने के बाद ही छापेमारी का कारण स्पष्ट हो सकेगा। एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड एक प्रमुख निर्माण कंपनी है। पिछले साल जून महीने में भागलपुर के अगुवानी में गंगा नदी पर बना ढहने के बाद यह कंपनी चर्चा में आई थी। इस पुल का निर्माण एसपी सिंगला करवा रही थी। निर्माण के दौरान दो बार यह पुल ढह गया। इसके बाद कंपनी पर घटिया निर्माण सामग्री का इस्तेमाल करने का आरोप लगा था। साथ ही केंद्र सरकार ने कंपनी को ब्लैक लिस्ट भी किया था।

फतेहपुर में 18 सौ लीटर महुआ शराब व नौ बाइक जब्त, तस्कर फरार

गया, एजेंसी। फतेहपुर की पुलिस ने बुधवार को 18 सौ लीटर महुआ निर्मित शराब और नौ बाइक जब्त की है। किसी भी शराब तस्कर की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ की गई कार्रवाई में थाना क्षेत्र के गंभरी-संडेश्वर मोड़ के पास से यह शराब व बाइक जब्त की है। थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह ने बताया कि फतेहपुर थाना क्षेत्र में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान गुरुवार को झारखंड इलाके से काफी मात्रा में शराब तस्करी कर लाई जाने की सूचना मिली थी। गंभरी संडेश्वर मोड़ के पास घेराबंदी की गई। बाइक से शराब लेकर वहां से गुजर रहे तस्करों ने पुलिस को देखते ही शराब से भरी बोरी और बाइक को छोड़कर फरार हो गए।

भोजपुर में शिक्षक पर फायरिंग मामले में प्राथमिकी दर्ज

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के धोबहां थाना क्षेत्र अन्तर्गत आरा-सलेमपुर मार्ग पर बेहरा के समीप बाइक सवार एक शिक्षक को सरेशाम गोली मारे जाने के मामले में प्राथमिकी करा दी गई है। घायल शिक्षक मो. मुमताज के बयान पर हुई प्राथमिकी में तीन अज्ञात को आरोपित किया गया है। इधर, धोबहा बाजार पर मिले सीसीटीवी फुटेज में बाइक पर सवार तीन बदमाश पीछा करते नजर आ रहे है।

यौन शोषण का किया था केस

बिहिया के राजा बाजार निवासी घायल शिक्षक ने संबंधित थाना में कराई प्राथमिकी में कहा है कि वे साल 2014 में बहाल हुए थे। पहली पदस्थापना मध्य विद्यालय ,नरगदा में थी। इस दौरान स्कूल में कार्यरत एक महिला शिक्षक से परिचय हुआ था। साल 2021 में महिला शिक्षक ने उनके पास शादी का प्रस्ताव रखा था। लेकिन, उन्होंने पूर्व से शादी होने के कारण पुनः विवाह किए जाने से इंकार कर दिया था। जिसके बाद महिला शिक्षक ने किसी के बहकावे में आकर यौन शोषण को लेकर कोर्ट में केस किया था। बाद में केस समाप्त हो गया था। इसके बाद उनका स्थानांतरण पहले बड़हरा के खवासपुर व फिर उदयभानपुर हो गया था।

फिलहाल खतरे से बाहर

मंगलवार को उदयभानपुर स्कूल से घर लौट रहे थे तभी बेहरा के समीप ओवरटेक कर गोली मार दी गई। इधर, जख्मी का इलाज कर रहे सर्जन डाक्टर विकास सिंह ने बताया कि जख्मी शिक्षक को करीब चार गोली मारी गई थी। गोली लगने के कारण जख्मी शिक्षक का छोटी आंत, बड़ी आंत, लग्स एवं लीवर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके अलावे दायां हाथ भी फ्रैक्चर कर गया था। जख्मी का तत्काल आपरेशन कर बुलेट निकाल दिया गया है और उसके सभी क्षतिग्रस्त पार्ट्स को रिपेयर कर दिया गया है। मरीज का बीपी व पल्स फिलहाल ठीक है।

प्रेम प्रसंग में प्रेमी के घर मां के साथ पहुंची प्रमिका, हाथ का नस काटी

भागलपुर, एजेंसी। थाना क्षेत्र के नवादा पंचायत के एक गांव में एक प्रेम प्रसंग के मामले में प्रेमिका न सिर्फ अपनी मां के साथ प्रेमी के घर धमक पड़ी बल्कि बात नहीं मानने पर अपने हाथ की नस भी काट ली। मामला गुरुवार देर शाम की है। लड़की को आनन फानन में इलाज के लिए रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया गया कि यह पुराना मामला है और लड़की का कहना था कि लड़के ने पूर्व में उसके साथ शादी की है और इस लिहाज से वह उसकी पत्नी है। लेकिन लड़के वाले स्वीकार नहीं कर रहे हैं। लड़की एक होटल में की गई शादी के प्रमाण प्रेमी के दरवाजे के बाहर मां के साथ धरने पर बैठ गई। देर शाम तक हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा। हाई वोल्टेज ड्रामा चलता देख प्रेमी के घर के आसपास ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। आसपास के लोगों ने प्रेमिका को समझाने का भरपूर प्रयास किया लेकिन वह अपनी ज़िद पर अड़ी रही। हंगामा बढ़ता देख प्रेमी के परिजनों ने दरवाजा बंद कर लिया। धरना पर बैठी प्रेमिका ने बताया कि दो साल पूर्व उस लड़के से थाना में मुलाकात हुई थी। वह वहां प्राइवेट चालक था। हम दोनों ने होटल में शादी की थी और पति-पत्नी की तरह साथ रह रहे थे। कुछ दिन साथ रहने के बाद वह मुझे रखने से इनकार कर दिया तो पहले मैं महिला आयोग गई। बाद में 5 मई को शादी का प्रलोभन देकर यौन शोषण का केस महिला थाना में किया था। लड़का मुझे पत्नी बता कर कोर्ट से बेल ले रहा है। तो मुझे पत्नी का दर्जा मिलना चाहिए। इसलिए उसके घर पर आए। लड़की बार-बार लड़के को बुलाने का अनुरोध कर रही थी। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी थाना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रेमिका को समझने का भर पूर प्रयास किया मगर वह जिद पर अड़ी रही। वहां पहुंची महिला थाना प्रभारी किरण सोनी भी समझाने पहुंची। इसी दौरान प्रेमिका को लगा कि मुझे जबरन उठाकर ले जाएगा। फिर उसने अपने हाथ का नस काट लिया। उसे रेफरल अस्पताल सुल्तानगंज लाया। जहां से मायागंज रेफर किया गया लेकिन यहां भी लड़की अड़ गई कि पहले लड़के को बुलाइये। फिर महिला पुलिस के साथ जबरन अस्पताल भेजा गया। महिला थानाध्यक्ष किरण सोनी ने बताया कि प्रेमी प्रेमिका के बीच मामला कोर्ट में लंबित है।

मेला क्षेत्र का जिप अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

भागलपुर/सुल्तानगंज, एजेंसी। जिला परिषद अध्यक्ष मिथुन कुमार ने गुरुवार को कांवरिया पथ सहित मेला क्षेत्र का निरीक्षण गुरुवार को किया।निरीक्षण के दौरान धांधी बेलारी तेघरा मे बने शौचालय, पिआऊ, झरना, चापकल का निरीक्षण किया। धांधी-बेलारी मे निर्माण हो रहे टेंट सिटी का निरीक्षण करने के दौरान बताया कि पहली बार इस तरह का टेंट सिटी मेला में कांवरियों के लिए बनाया जा रहा है। जिप अध्यक्ष ने बताया कि श्रावणी मेला मे जिला परिषद भरपूर सहयोग जिला प्रशासन को करेगा। निरीक्षण के दौरान जिप सदस्य अरुण दास आदि मौजूद थे।

श्रावणी मेला 2024: जसीडीह स्टेशन पर रुकेंगी कई एक्सप्रेस गाड़ियां, बिहार से चार स्पेशल ट्रेनें भी चलेंगी

पटना , एजेंसी। श्रावणी मेला के दौरान सभी मेल, एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनें झारखंड के जसीडीह स्टेशन पर कम से कम पांच मिनट के लिए रुकेंगी। रेलवे के मुताबिक कोलकाता राजधानी एक्सप्रेस, दुरंतो एक्सप्रेस, जनशताब्दी एक्सप्रेस, पूर्वा एक्सप्रेस, गरीब रथ एक्सप्रेस, हमसफर एक्सप्रेस, हमसफर एक्सप्रेस को छोड़कर सभी ट्रेनों का कम से कम पांच मिनट का ठहराव जसीडीह में रहेगा। साथ ही मेला अवधि के दौरान किउल-जमालपुर डेमू स्पेशल का मार्ग विस्तार सुल्तानगंज तक किया जा रहा है। इसके अलावा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा पटना-आसनसोल, सियालदह-बनारस एवं गोरखपुर-देवघर के बीच मेला स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा। इससे बिहार समेत अन्य राज्यों से बाबा धाम देवघर आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी।

आसनसोल-पटना श्रावणी मेला स्पेशल 22 जुलाई से 19 अगस्त तक सप्ताह में दो दिन सोमवार और बुधवार को आसनसोल से शाम 4.50 बजे खुलकर 11.55 बजे पटना पहुंचेगी। पटना-आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल 23 जुलाई से 20 अगस्त तक सप्ताह में दो दिन मंगलवार एवं गुरुवार को पटना से 01.15 बजे खुलकर 08.30 बजे आसनसोल पहुंचेगी। अप एवं डाउन दिशा में यह स्पेशल चितरंजन, मधुपुर, जसीडीह, झाझा, जमुई, किउल, लखीसराय, मनकट्ठा, बड़हिया, हाथीदह, मोकामा, बाढ़, बख्तियारपुर, खुसरूपुर, फतुहा, पटना साहिब राजेन्द्रनगर स्टेशनों पर रुकेगी।

आसनसोल-पटना श्रावणी मेला स्पेशल 23 जुलाई से 17 अगस्त तक सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को आसनसोल से शाम 4.50 बजे खुलकर शाम 6.34 बजे जसीडीह होते हुए 11.55 बजे पटना पहुंचेगी।

यूपी ट्रेन हादसे में बिहार की इन ट्रेनों का बदला रूट : सियालदह-बनारस श्रावणी मेला स्पेशल 27 जुलाई से 17 अगस्त तक सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को सियालदह से रात 11.55 बजे खुलकर अगले दिन शाम चार बजे बनारस पहुंचेगी। अप एवं डाउन दिशा में यह स्पेशल वर्द्धमान, दुर्गापुर, आसनसोल, चितरंजन, मधुपुर, जसीडीह, झाझा, किउल, मोकामा, पटना जं., दानापुर, आरा, बक्सर, डीडीयू, वाराणसी स्टेशनों पर रुकेगी। गोरखपुर-देवघर श्रावणी मेला स्पेशल 20 जुलाई से 20 अगस्त तक प्रतिदिन गोरखपुर से रात आठ बजे खुलकर अगले दिन दोपहर 1.15 बजे देवघर पहुंचेगी।

सुलतानगंज स्टेशन पर एक जोड़ी ट्रेनों का दो मिनट का ठहराव

मेला अवधि के दौरान दो ट्रेनों का सुल्तानगंज स्टेशन पर दो मिनट का ठहराव होगा। इनमें 15619 गया-कामाख्या एक्सप्रेस (साप्ताहिक) एवं 15620 कामाख्या-गया एक्सप्रेस (साप्ताहिक) शामिल हैं।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

मानव तस्करी एक गंभीर चुनौती है, जागरुक रहना है जरुरी- डीएम

- मानव तस्करी है एक गंभीर अपराध

बीएनएम। मोतिहारी

जिला बाल संरक्षण इकाई के तत्वावधान में शुक्रवार को बाल तस्करी को प्रभावी रूप से रोकने के लिए नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन के सभागार में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई के द्वारा जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के वरीय सलाहकार कात्यानी आनंद सहित कार्यशाला में उपस्थित बाल कल्याण समिति के सभी सदस्यों एवं पुलिस पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। वहीं जिलाधिकारी श्री जोरवाल, उप विकास आयुक्त एवं अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि मानव तस्करी एक गंभीर चुनौती है। इसके विरुद्ध सभी लोगों को जागरूक रहना होगा। उन्होंने कहा कि जैसे ही पता चले की कोई बच्चा

मिसिंग है, इसकी तत्काल सूचना निकट के थाना को देनी चाहिए। इसमें पहला घंटा बहुत ही महत्वपूर्ण है। सूचना प्राप्त होने के बाद पुलिस अपने स्तर से कार्रवाई में लग जाती है। सूचना देने में जितना विलंब होगा मामला उतना ही जटिल होते चला जाएगा। बाल कल्याण समिति के लोगों से डीएम ने कहा कि सभी लोग अपने क्षेत्र में सक्रिय रहें और थाना से संपर्क बनाए रखें। बच्चों की सुरक्षा का दायित्व उसके अभिभावक के साथ-साथ समाज का भी है। हम सभी इसी समाज के अंग हैं। प्रत्येक बच्चे का सर्वांगीण विकास जरूरी है और यह सुनिश्चित करना होगा। मानव तस्करी इसमें बड़ी बाधा है। मानव तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए सभी लोगों का जागरूक होना जरूरी है। कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों से जिलाधिकारी ने कहा कि सभी लोग अच्छे से सभी जानकारी प्राप्त करें और क्षेत्र में लोगों को भी जागरूक करें। उक्त अवसर पर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, नई दिल्ली के वरीय सलाहकार कात्यायनी आनंद के द्वारा बाल तस्करी से जुड़े हुए बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया एवं इससे संबंधित धाराओं एवं कार्रवाइयों के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। कात्यायनी आनंद ने बताया कि बाल तस्करी एक गंभीर अपराध है एवं यह बहुत दुख की बात है कि अबतक हमारे देश के कई भागों में यह अपराध हो रहा है। विकसित भारत की ओर अग्रसर हमारे लक्ष्य तभी पूरे हो पायेंगे जब हम सामाजिक स्तर पर एवं सभी प्रशासनिक हितधारकें के साथ मिलकर इस समस्या पर काबू पायेंगे। खुले सीमावर्ती क्षेत्रों/इलाकों में मानव तस्करों के लिये बाल तस्करी आसान हो जाती है। सीमावर्ती जिलों में ''बाल तस्करी से आजादी'' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में पूर्वी चम्पारण भी एक सीमावर्ती जिला है। अतः यहाँ भी आयोग द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जनता दरबार में 62 आवेदनकर्ताओं की सुनी गयी समस्याएं

समस्याओं के शीघ्र निष्पादन हेतु जिलाधिकारी ने सम्बंधित पदाधिकारी को दिए निर्देश

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्ण भवन सभागार में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम जनता के दरबार में जिला प्रशासन द्वारा जिलेभर के विभिन्न प्रखंडों से आए 62 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर सुनवाई की गई। उक्त प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने कहा कि जो आवेदन प्राप्त हुए हैं उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से कार्रवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान सुनिश्चित किया जाएगा। इस जनता के दरबार में स्वास्थ्य, शिक्षा, आपूर्ति, पंचायती राज विभाग, भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद, राजस्व विभाग से संबंधित अधिकांश आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। इस अवसर जिलाधिकारी के साथ अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी विधि शाखा-सह - विशेष कार्य पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रक ने बाइक सवार को रौदा, एक की मौत एक की मौत दुसरा गंभीर रुप से घायल

- आक्रोशित ने की आगजनी व सड़क जाम, घंटों आवागमन बाधित
- पुलिस ने समझा बुझाकर किया यातायात बहाल

बीएनएम। चनपटिया

शुक्रवार को छावनी के पास ट्रक ने बाइक सवार को रौंद दिया जिससे घटना स्थल पर ही एक युवक की मौत हो गई। एक व्यक्ती गंभीर रुप से घायल हो गया हैं।घटना की सुचना पर पहुंची मनुआपुल थानाध्यक्ष समेत बेतिया पुलिस ने मृत व्यक्ति के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं गंभीर रुप से घायल का उपचार के लिए बेतिया जीएचसीएच अस्पताल भेज दिया गया है।घटना के सम्बन्ध में बताया जाता है कि घायल गुलफाम अंसारी जो कि पोलंबर मिस्त्री का कार्य करता है बाइक से आर्यन कुमार पोलम्बर मिस्त्री को छोड़ने छावनी जा रहा था। छावनी में रेलवे गुमटी बंद होने के कारण ओवरब्रिज के नीचे खड़ा था। उसी दरम्यान एक ट्रक ढुल गई

और अपने चपेट में ले लिया।इस दौरान ट्रक की चपेट में आने से बानूछापर हाजमा टोला वार्ड 27 निवासी रामायण साह के 19 वर्षीय पुत्र आर्यन कुमार की घटना स्थल पर ही मौत हों गई। वहीं पोलंबर मिस्त्री गुलफाम अंसारी गंभीर रुप से घायल हो गए हैं जिनका उपचार बेतिया जीएमसीएच अस्पताल में जारी हैं। वहीं आक्रोशित लोगों ने घटनास्थल पर आगजनी कर सड़क जाम किया जिससे घंटो आवागमन बाधित रहा। मौके पर कालीबाग, मनुआपुल एवं बानुछापर थाने की पुलिस मामले को शांत कराने में जुटे। थानाध्यक्ष नरेश कुमार ने बताया कि मृतक का पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच भेजा गया है। आवेदन पत्र मिलते ही एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दिया जायेगा।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रबंधन विज्ञान विभाग के तीन शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि प्राप्त

बीएनएम। मोतिहारी

प्रबंधन विज्ञान विभाग की तीन शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि प्रदान की गई, दो प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर के रूप में चयनित

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के प्रबंधन विज्ञान विभाग के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है कि विभाग के तीन शोधार्थियों—चंदन वीर, रौशन कुमार, और अंकिता कुमारी—को उनके शोधकार्य के लिए पीएचडी उपाधि प्रदान की गई है। यह उपलब्धि न केवल उनके अकादमिक करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, बल्कि विभाग की उच्च गुणवत्ता वाले शोधार्थियों को तैयार करने की प्रतिष्ठा को भी बढ़ावा देती है।

शोधार्थियों के शोध विषय- चंदन वीरः "बिहार के लघु, सूक्ष्म और मध्यम उद्यमों में ग्रीन मार्केटिंग प्रथाओं की संभावनाओं पर एक अध्ययन" पर शोध कार्य पूरा किया है। इन्हें डॉ. सपना सुगंधा के मार्गदर्शन में यह उपाधि प्राप्त हुई है।

रौशन कुमारः "समावेशी विकास के लिए एक रणनीति के रूप में वित्तीय समावेशन का अध्ययन, विशेष संदर्भ में बिहार" पर शोध कार्य पूरा किया है। इन्हें प्रो. पवनेश कुमार के मार्गदर्शन में यह उपाधि प्राप्त हुई है।

अंकिता कुमारीः "बिहार के उच्च शिक्षा संस्थानों के महिला अंशधारकों के निवेश व्यवहार पर वित्तीय साक्षरता का प्रभाव" पर शोध कार्य पूरा किया है। इन्हें भी प्रो. पवनेश कुमार के मार्गदर्शन में यह उपाधि प्राप्त हुई है।

नियुक्ति और मान्यताः चंदन वीर

को सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची में सहायक प्रोफेसर के पद पर नियुक्ति मिली है। रौशन कुमार को एमिटी विश्वविद्यालय, गुड़गांव में सहायक प्रोफेसर के पद पर नियुक्ति मिली है। इन नियुक्तियों ने उनके प्रबंधन विज्ञान के क्षेत्र में विशेषज्ञता और समर्पण को उजागर किया है।

शुभकामनाएं और समर्थनः माननीय कुलपति, प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव ने चंदन वीर, रौशन कुमार, और अंकिता कुमारी को उनके सफलतापूर्वक पीएचडी उपाधि प्राप्त करने और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में उनकी नियुक्तियों के लिए हार्दिक बधाई दी। प्रबंधन विज्ञान विभाग की अध्यक्ष, डॉ. सपना सुगंधा, सहायक प्रोफेसर अरुण कुमार, डॉ. अलका लालहाल, डॉ. कमलेश कुमार, और डॉ. स्नेहा चौरसिया ने भी शोधार्थियों को बधाई दी। उनके प्रोत्साहन और समर्थन ने शोधार्थियों को उनके अकादमिक सफर में मार्गदर्शन प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उपलब्धि की मान्यताः यह मान्यता चंदन वीर, रौशन कुमार, और अंकिता कुमारी की कड़ी मेहनत और समर्पण को दर्शाती है, और प्रबंधन विज्ञान के क्षेत्र में विभाग के सतत योगदान को दर्शाती है।

23 जुलाई से 22 सितम्बर तक जिले में चलेगा दस्त रोकथाम अभियान

बीएनएम। मोतिहारी

- बच्चों की मौत की तीसरा बड़ी वजह डायरिया, बचाव के लिए जागरूकता जरूरी
- सिविल सर्जन का जिले के सभी अस्पतालों के चिकित्सा पदाधिकारियों को पत्र

मोतिहारी। जिले में दस्त की रोकथाम को लेकर 23 जुलाई से 22 सितम्बर तक लोगों की जागरूकता के लिए अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए संबंधित प्रचार-प्रसार सामग्री एवं अभियान के सफल आयोजन हेतु दिशा-निर्देश राज्य स्वास्थ्य समिति पटना द्वारा जारी किया गया है। जिले के सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया की सदर अस्पताल उपाधीक्षक, अनुमण्डलीय अस्पताल, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को पत्र लिखा गया है। उन्होंने सभी स्वास्थ्य संस्थानों पर ओआरएस एवं जिंक की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता रखने का निर्देश दिया है। अभियान के अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण हेतु सीएचओ/स्टाफ नर्स एवं सहयोगी संस्थानों का सहयोग लिया जाय। डीसीएम नंदन झा ने बताया कि गर्मी एवं बरसात के मौसम में बच्चों में दस्त के केस ज्यादा मिलते हैं। इनसे बचाव के लिए आशा, जीविका व अन्य स्वास्थ्य

कर्मियों के सहयोग से बच्चों व अभिभावकों को हाथ धोने व साफ-सफाई की जानकारी दी जाएगी। दस्त होने पर बच्चों की सुरक्षा हेतु स्वास्थ्य कर्मियों के साथ ही सभी स्वास्थ्य केंद्रों को मुस्तैद किया जा रहा है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में विशेष ध्यान रखा जा रहा है। डीसीएम ने बताया कि 5 हजार 375 पोस्टर, हाथों को साबुन से कब धोएं का 9 हजार 275 पोस्टर एवं 28 पीस होर्डिंग प्राप्त हुए हैं।

बच्चों की मौत की तीसरा बड़ी वजह डायरियाः- विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, एक से 59 माह के बीच के बच्चों की मौत की तीसरी बड़ी वजह डायरिया है। सालाना पांच वर्ष से कम उम्र के चार लाख से अधिक बच्चों की मौत डायरिया की वजह से होती है। सुरक्षित पेयजल और पर्याप्त साफ-सफाई से डायरिया को रोका जा सकता है। जिले की आशा द्वारा दस्त से ग्रसित बच्चों के उपचार के लिए जिंक टेबलेट, ओआरएस पैकेट निःशुल्क दिया जाता है। सीएस ने बताया कि डायरिया एक गंभीर रोग है। पांच वर्ष के उम्र से नीचे शिशुओं की मौत की एक बड़ी वजह डायरिया है। मौके पर डीसीएम नंदन झा, अवधेश कुमार, पीएसआई डीसी अमित कुमार, पिरामल डीसी राजेश कुमार गिरी व अन्य लोग उपस्थित थे।

तारामंडल निर्माण के लिए तीन एकड़ चिन्हित

जमीन का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी अनुपम श्रेष्ठ के साथ शुक्रवार को मोतिहारी स्थित लूठहां में पॉलिटेक्निक कॉलेज के बगल में तारामंडल निर्माण के लिए चिन्हित किए गए तीन एकड़ जमीन का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी के निर्देश पर अंचलाधिकारी सदर मोतिहारी के द्वारा इस चिन्हित किए गए जमीन की मापी कराकर सीमांकन कर दिया गया है। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया है कि मोतिहारी में तारामंडल के निर्माण का प्रस्ताव सरकार को भेज दिया गया है

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

प्रखंड कार्यालय में बीडीओ की विदाई व अभिनन्दन समारोह का आयोजन

बीएनएम। रामगढ़वा

प्रखंड कार्यालय के सभागार में प्रखंड प्रमुख रीता देवी की अध्यक्षता में भव्य अभिनन्दन सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानांतरित बीडीओ मो सज्जाद की बिदाई दी गई व नव पदस्थापित बीडीओ राकेश कुमार सिंह का अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के सभी निर्वाचित प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्त्ता सहित प्रखंड, अंचल, मनरेगा, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र व अन्य सभी कार्यालयों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। इस कार्यक्रम का आयोजन बृहद स्तर पर किया गया और उपस्थित सभी लोगों ने स्थानातंरित बीडीओ को अंग वस्त्र भेंट कर विदाई दी और नव पदस्थापित बीडीओ को फूल माला पहनाकर सम्मानित

किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने स्थानानांतरित बीडीओ के रामगढ़वा में कार्यकाल की प्रसंशा करते हुए कहा कि इन्होंने कभी भी अपने को पदाधिकारी नहीं समझा और इनका व्यवहार सभी लोगों के साथ मधुर बना रहा। कार्य कुशलता और व्यवहार कुशलता इनकी मुख्य पूँजी थी और इसके बदौलत पूरे प्रखंड क्षेत्र के चहेता बन गए। लोगों ने यह भी कहा कि नव पदस्थापित बीडीओ राकेश कुमार सिंह भी कुशल पदाधिकारी और मृदु भाषी हैं। यह रामगढ़वा का सौभाग्य है। स्थानांतरित बीडीओ मो. सज्जाद ने विदाई समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि इनको रामगढ़वा के लोगों का इतना स्नेह और प्यार मिला कि इनके तीन साल का कार्यकाल कैसे बिता, समझ ही नहीं पाए। रामगढ़वा का प्यार इनको आजीवन याद रहेगा। वही नव पदस्थापित बीडीओ राकेश कुमार सिंह ने कहा कि इनका यह उद्देश्य रहेगा कि रामगढ़वा में विकास की गति बरकरार रहे। इन्होंने यह भी कहा की रामगढ़वा में पहले भी रह चूके हैं और यहां के लोगों के साथ इनका पूर्व का अनुभव रहा है और यहां की आकांक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। मौके पर पूर्व मुखिया अर्जुन प्रसाद, प्रमुख पति विशाल गुप्ता, झुनू पाण्डेय, अरुण गुप्ता, उप प्रमुख अरविंद पाण्डेय, भूषण सिंह, मुखिया राजू सिंह, रंजीत सिंह, मदन सिंह, शमाशु जोहा अंसारी, धीरज गुप्ता, शिवचंद्र यादव, जितन सिंह, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ एन डी सिंह, प्रहस्त कुमार, मनरेगा पीओ अमृतेश कुमार, आवास पर्यवेक्षक, आवास सहायक, आईटी सहायक इत्यादि सभी कर्मी के साथ सभी मुखिया व समिति सदस्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पिस्टल के बल पर एक महिला के साथ दुष्कर्म का प्रयास, एफआईआर दर्ज

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के कृतपुर पंचायत के एक गांव में बीती रात एक महिला के साथ पिस्टल के बल पर दुष्कर्म करने का प्रयास किया गया है। महिला के विरोध करने पर हत्या करने की धमकी दी गई है। मामले में पीड़ित महिला ने थाना में आवेदन दिया है। जिसमे कहा गया है कि उसके पति रात में बथान पर रहते है। जहां वह प्रतिदिन रात में खाना लेकर जाती है। प्रतदिन की तरह वे रात में अपने घर से बथान पर खाना लेकर जा रही थी। इसी दौरान ओमप्रकाश मिश्र के लिचिवानी के समीप गोइठहा के अरविंद यादव समेत तीन चार युवकों के साथ दारू व सिगरेट पी रहा था। जो पीछे से आकर उसे बांह में जकड़ लिया। उसके कोमल अंगों को सहलाने लगा। विरोध करने पर कमर से पिस्टल निकाल कर सीने में सटा दिया। वह दुष्कर्म का प्रयास करने लगा। खाना जाने में विलम्ब होने पर उसके पति व पुत्र टार्च लेकर खोजने निकले। उनलोगो के आने पर वे सब मारपीट किए। उसी दौरान विजय यादव व अर्जुन यादव आकर मारपीट कर उसे छुड़ा कर ले भागे। पुलिस मामले में एफआईआर दर्ज कर तीनो आरोपी को खोजने में जुटी हुई है।

कुबड़ा पकड़िया में छापेमारी, 40 लीटर देशी शराब के साथ एक पकड़ाया

एफआईआर दर्ज, पकड़े गए कारोबारी को पुलिस भेजा जेल

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के पकड़िया टोला कुबड़ा गांव में शराब बनाने व बेचने की सूचना पर पुलिस ने मंतोष सहनी के घर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस बल को देख मंतोश व उसका भाई संतोष सहनी भागने लगे। पुलिस बल के सहयोग से दारोगा सुबोध कुमार सिंह खदेड़ कर भाग रहे एक कारोबारी मन्तोष को पकड़ लिया। जबकि संतोष भागने में सफल रहा। उसके घर की तलाशी लेने पर दो जार में रखे हुए करीब चालीस लीटर देशी चुलाइ शराब पुलिस ने बरामद किया। मामले में दारोगा सुबोध कुमार सिंह के स्वलीखित आवेदन पर एफआईआर दर्ज किया गया है। जिसमे शराब कारोबारी दोनो सहोदर भाई मंतोष व संतोष को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। पुलिस ने पकड़े गए शराब कारोबारी मंतोष को गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। फरार कारोबारी को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

जन सुशासन सुविधा शिविर का किया गया आयोजन

बीएनएम। केसरिया। प्रखण्ड कार्यालय परिसर में शुक्रवार को जन सुशासन सुविधा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में आईसीडीएस, आपूर्ति, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, राजस्व सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्या सुनी गई। जिसे अविलंब समाधान करने का आश्वासन दिया गया। शिविर में मौजूद विधायक शालिनी मिश्रा ने कहा कि सूबे की सरकार सभी वर्गों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। इसके लिए कई जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर लोगों को आगे बढ़ने का मौका दे रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जन समस्या के समाधान के लिए हमेशा तत्पर हैं। इससे पहले शिविर का उद्घाटन विधायक व अन्य आगत अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया।

गंडक नदी से अज्ञात शव बरामद

बीएनएम। केसरिया। गंडक नदी के सत्तरघाट पुल के समीप से शुक्रवार को एक 35 वर्षीय अज्ञात युवक का शव बरामद किया गया है। बिजधरी थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि गंडक नदी अवस्थित सत्तरघाट पुल के पिलर नम्बर दो के पास एक शव होने की सूचना मिली। जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए नाव के सहारे शव को नदी से बाहर निकाला गया। शव की पहचान नहीं हो सकी है। अनुमान है कि उक्त शव नदी की तेज धारा में बह कर यहाँ तक आया है। पोस्टमार्टम उपरांत शव को शिनाख्त के लिए 72 घण्टा तक रखा जाएगा। पहचान नहीं होने की स्थिति में निर्धारित समय के बाद शव का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

स्कॉर्पियो समेत 53 कार्टून नेपाली सोफिया शराब के साथ दो कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम। पताही

पुलिस के द्वारा शराब कारोबारियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत गुप्त सूचना के आधार पर शुक्रवार को खुटौना मोड़ के पास स्कॉर्पियो से लेकर जा रहे 53 कार्टून मे रखे 1590 बोतल नेपाल निर्मित नेपाली सोफिया शराब बरामद कर दो शराब कारोबारी को गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत मोतिहारी जेल भेज दिया गया है। पुलिस निरीक्षक सह थाना अध्यक्ष कैलाश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर घेरा बंदी कर पुलिस ने स्कॉर्पियो से जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर BR-21E- 0326 से लेकर जा रहे 53 कार्टून में 1590 बोतल नेपाली सोफिया शराब के साथ फेनहरा तड़पा गांव निवासी रामजन्म राउत एवं फेनहारा मनकरवा गांव निवासी पवन साह को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को गुप्त सूचना मिली कि शराब तस्कर द्वारा शराब की बड़ी खेप स्कॉर्पियो से खुटौना के रास्ते लाया जा रहा है। प्राप्त सूचना के आलोक में थानाध्यक्ष के नेतृत्व में एएसआई धनंजय कुमार सहित सशत्र बल द्वारा खुटौना मोड़ के पास घेराबंदी कर एक स्कॉर्पियो जब किया

गया जब से स्कॉर्पियो की तलाशी ली गई जिसमें तकरीबन 53 कार्टन में रखे 1590 बोतल नेपाल निर्मित सोफिया शराब बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार शराब कारोबारी रामजन्म राउत एवं पवन साह ने बताया कि नेपाल से शराब की खेप लाई गई थी। इसके बाद छोटे-छोटे शराब कारोबारी को शराब पहुंचाने का कार्य करता था। गिरफ्तार शराब कारोबारियों के द्वारा कई शराब कारोबारी के नाम का खुलासा किया है, जिसका नाम गोपनीय रखकर शराब कारोबारी के गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी तेज कर दी गई है। वही गिरफ्तार शराब कारोबारी पर मध निषेध अधिनियम के तहत कांड संख्या- 171/2024 दर्ज कर पुछताछ के वाद न्यायिक हिरासत मोतिहारी जेल भेज दिया गया है। वही छापेमारी अभियान में पुलिस निरीक्षक सह थाना अध्यक्ष कैलाश कुमार के नेतृत्व में धनंजय कुमार सहित अन्य पुलिस बल के जवान शामिल थे।

कटाव को लेकर ग्रामीणों ने किया सड़क जाम और प्रदर्शन पुलिस प्रशासन ने समझाबुझा कर जाम खुलवाया

बीएनएम। बगहा

बगहा स्थित गंडक नदी से कटाव तेज हो गया है ।जलस्तर में गिरावट के कारण लगातार हो रहे कटाव के बाद आक्रोशित लोग सड़क पर उतर आये हैं । एनएच 727 गोरखपुर बेतिया मुख्य सड़क पर मंगलपुर के पास कटावरोधी कार्य की धीमी गति और बचाव कार्यों कि गुणवत्ता से नाराज ग्रामीण आक्रोशित होकर विरोध प्रदर्शन क़र रहे हैं । कटाव की सूचना मिलते ही वाल्मीकिनगर के जेडीयू विधायक रिंकू सिंह मौके पर पहुंचे फ़िर क्या लोगों का आक्रोश देखकर माननीय ने जल संसाधन विभाग के अभियंताओं को जमकर फटकार लगाई । इसके बाद विधायक नें कटाव से बचाव कार्य में तेजी लाने के साथ साथ मजबूती का निर्देश दिया। बतादें कि बगहा में गंडक नदी कटाव कर लगातार आगे बढ़ रही है जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है । फिलहाल मंगलपुर के साथ साथ धनहा के रंगळलही में दबाव बना हुआ है जिससे लोगों के घर बार कटने का खतरा तेज हो गया है। यहीं वजह है कि लोग हल्ला बोल बांस बल्ली लगाकर मुख्य सड़क जाम क़र विरोध प्रदर्शन करने लगे हैं तों माननीय का गुस्सा भी अभियंता पर भड़क उठा और खरी खोटी सुना डाला ।

शराब उन्मूलन को ले ग्रामीण क्षेत्रों में चला जागरूकता अभियान

बीएनएम। बेतिया

मझौलिया प्रखण्ड के माधोपुर, बखरिया सहित अन्य दलित बस्ति में नशा उन्मूलन, बाल शोषण रोकथाम को लेकर, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के बैनर तले, पारा विधिक स्वयंसेवक अवधेश कुमार गुप्ता के द्वारा जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए स्वयंसेवक ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य दलित, महादलित बस्ती में, बच्चों में बढ़ रहे नशा कि लत, बच्चों के प्रति बढ़ रहे हिंसा, अपराध, बाल शोषण, बाल विवाह से बचाव के लिए बच्चों व उनके अभिभावकों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि छोटे छोटे बच्चों को इन बुराइयों के अलावा, गुड टच व बैड टच के बारे में समझाना भी हैं ताकि वह इन चीजों को समझ सकें और अपने माता - पिता या परिजन को अपने साथ हो रहे शोषण, अपराध के बारे जानकारी दे सके। उन्होंने कहा कि आजकल ज्यादातर बच्चों के ऊपर शोषण, हिंसा व अत्याचार हो रहे हैं, हमें इन बुराइयों से बचना है, कम उम्र में हो रहे बच्चों की शादी को रोकना है। बच्चों में बढ़ रहे नशा करने कि लत को दूर करने के लिए सभी को जागरूक रहने कि जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगर घर की महिलाएं चाहे तो नशा मुक्ति व शराब बंदी को पूर्ण रूप से सफल बनाया जा सकता है। अगर घर में कोई पुरूष शराब पीकर आ रहा है या नशीला पदार्थ की खरीद विक्री कर रहा है तो, उसका जोरदार विरोध करें। तथा तत्काल इसकी सूचना अपने थानाध्यक्ष, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, चौकीदार इत्यादि को दे।

जिलाधिकारी के जनता दरबार में कई मामलों का हुआ ऑन-द-स्पॉट समाधान

जिलाधिकारी ने समस्याओं के समाधान हेतु अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

बीएनएम। बेतिया

जिलाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में शुक्रवार को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी, श्री दिनेश कुमार राय ने लोगों की समस्याओं एवं शिकायतों को बारी-बारी से सुना। जनता दरबार में कई समस्याओं एवं शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट समाधान कराया गया। साथ ही कई मामलों में संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को फोन कर समस्याओं का समाधान करने के लिए शीघ्र समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी के जनता दरबार में कुल-50 मामले आए। जिन मामलों का समाधान आज नहीं हो सका, उसे संबंधित विभाग/ अधिकारियों को भेजते हुए त्वरित गति से नियमानुकूल समाधान कराने हेतु निर्देशित किया गया। शुक्रवार को जनता दरबार में जिन लोगों द्वारा अपनी समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया उनमें छोटेलाल प्रसाद, लखन साह, रूबी देवी, हृदया मांझी, रमेश पासवान, विपिन बिहारी प्रसाद, सुभाष महतो, शेख तैयब, मनोज प्रसाद, झुनी देवी आदि के नाम शामिल हैं। इस अवसर पर अपर समाहर्ता राजीव कुमार सिंह, अपर समाहर्ता, विभागीय जांच कुमार रविन्द्र, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, अपर समाहर्त्ता, आपदा प्रबंधन रामानुज प्रसाद सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी, बेतिया सदर विनोद कुमार, जिला भू अर्जन पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार, वरीय उप समाहर्ता विपिन कुमार यादव, जिला परिवहन पदाधिकारी ललन प्रसाद, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा सुजीत कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

इंडो नेपाल सीमा गंडक बराज एसएसबी कैम्प में सीमा मित्रों के साथ बैठक संपन्न हुई

बीएनएम। बगहा

एसएसबी 21 वीं बटालियन के इंडो नेपाल सीमा पर स्थित एसएसबी बी समवाय के साथ सीमा मित्रो की शुक्रवार को बैठक हुई। जिसमें सावन के महीना में भीड़ भाड़ के कारण सुरक्षा में सहयोग,बाढ़ से बचाव, सर्प दंश से बचाने के उपाय, नागरिक कल्याण योजना में युवा के लिए रोजगार के अवसर नागरिक के लिए व मवेशी के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई और साथ ही सीमा मित्रों से सहयोग की अपील की गई। बतादें की इंडो नेपाल सीमा पर तैनात एसएसबी के जवानों के द्वारा समाज से जुड़े सरोकारों के लिए कई कार्यक्रम चलाए जाते रहे है। इस कार्यक्रम में एसएसबी बी कम्पनी के इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार मंडल,एएसआई गिरवीर सिंह,मुखिया पत्रा लाल साह, मुख्य प्रतिनिधि रमेश महतो दरुआबारी समेत सभी वार्ड सदस्य के अलावा समाजसेवी विजय कुमार झा एवम अन्य गण्यमान्य लोग शामिल हुए।

चिंतन मनन

कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है। चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मो का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मो के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है। परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता। अतः भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित (दूषित) नहीं हैं। भगवद्गीता तो शिक्षा देती है कि हमें इस कलुषित चेतना को शुद्ध करना है।

फिर आतंकी हमलें, सैनिकों का बलिदान व्यर्थ न जाये

ललित गर्ग

लगातार जम्मू-कश्मीर में बढ़ रही आतंकी घटनाएं चिन्ता का कारण बन रही है। डोडा जिले में एक आतंकी हमले में कैप्टन समेत सेना के चार जवानों और जम्मू कश्मीर के एक पुलिसकर्मी का बलिदान अब यही दर्शा रहा है कि शांति एवं अमन की ओर लौटा जम्मू-कश्मीर एक बार फिर आतंकवादी आघातकारी घटनाओं की भेंट चढ़ रहा है, इन घटनाओं का माकुल जबाव नहीं दिया गया तो यह घाटी एक बार फिर खूनी घाटी बन जायेगी। क्योंकि कुछ ही दिनों पहले कठुआ में एक सैन्य अफसर सहित पांच जवान आतंकियों का निशाना बन गए थे। इसके पहले भी जम्मू संभाग में ही सेना के कई जवान आतंकियों से लोहा लेते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दे चुके हैं। ये बहुत चिंतित करने वाले त्रासद एवं घिनौने घटनाक्रम हैं कि पिछले कुछ समय से कश्मीर घाटी के साथ-साथ जम्मू संभाग में भी आतंकियों की गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं। हाल की कुछ घटनाओं से तो यह भी लगता है कि आतंकियों ने जम्मू संभाग को अपनी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बना लिया है। एक ऐसे समय जब जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने की तैयारी हो रही है, तब आतंकियों का सक्रिय होना और सफलतापूर्वक अपने मनसूबों को कामयाब करना गंभीर चिंता का विषय है।ज्यादा चिन्ताजनक यह है कि पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकी न केवल घुसपैठ कर रहे हैं, बल्कि अपनी गतिविधियों को अंजाम देने और इस क्रम में सेना को निशाना बनाने में भी सफल हो रहे हैं। सरकार को उन खूनी हाथों को खोजना होगा अन्यथा खूनी हाथों में फिर खुजली आने लगेगी। हमें इस काम में पूरी शक्ति और कौशल लगाना होगा। आदमखोरों की मांद तक जाना होगा। अन्यथा हमारी खोजी एजेंसियों एवं सेना की काबिलीयत पर प्रश्नचिन्ह लग जाएगा कि कोई दो-चार व्यक्ति कभी भी पूरे प्रांत की शांति और जन-जीवन को अस्त-व्यस्त कर सकते हैं, हमारी संवेदनाओं को झकझोर सकते हैं। संवेदनाओं एवं भावनाओं को झकझोर भी रहे हैं, जब आतंकवादी हमलों में शहीद जवानों के पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटे घर की ड्योढ़ी पर आते हैं तब कारुणिक माहौल को देखकर दिल दहल उठता है क्योंकि देश के लिए अपना सर्वोच्च लुटा देने वाला जवान किसी का बेटा, किसी का पति और किसी का पिता होता है। हर आंख में आंसू होते हैं। किसी की गोद, किसी की मांग सूनी हो जाती है। देशवासी सोचने को विवश हैं कि वे शोक संत्पत परिवार के साथ करुणा और पीड़ा को कैसे बांटें। डोडा वारदात की जिम्मेदारी लेने वाले 'कश्मीर टाइगर्स' जैसे आतंकी संगठनों की ताजा बौखलाहट की एक बड़ी वजह जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया की बहाली को लेकर बढ़ी सरगर्मी है। राज्य में लोकप्रिय सरकार के गठन के लिए अगले चंद महीनों में ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में, आतंकियों की बेचैनी समझी जा सकती है कि जिस तरह लोकसभा चुनाव में घाटी में लोग मतदान केंद्रों पर उमड़ पड़े और दशकों पुराना रिकॉर्ड टूटा, अगर विधानसभा चुनाव में लोगों का उत्साह और बढ़ा, तो जिन 'स्लीपर सेल्स' की बदौलत वे दहशत का अपना पूरा कारोबार चलाते हैं, वे भी मुख्यधारा के प्रति आकर्षित होकर, उनके खिलाफ हो सकते हैं। इसलिए उन्होंने घाटी के बजाय जम्मू संभाग में अपनी सक्रियता बढ़ाई है, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित किया जा सके और सीमा पार के आकाओं से मदद हासिल करने का सिलसिला जारी रहे। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान से पाकिस्तान बौखलाया है। इसी का परिणाम है लगातार हो रहे आतंकी हमलें। इन हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा के आतंकी हमले चिन्ता का बड़ा कारण बने है। जम्मू-कश्मीर का माहौल सुधरने के बाद वहां के बाजार, पर्यटक स्थल गुलजार हुए हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था सुधर रही है। इसलिए देशद्रोही नहीं चाहते कि कश्मीर में शांति आए और वहां पर निर्वाचित सरकार काम करे। केन्द्र में गठबंधन वाली मोदी सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है। क्या इन आतंकी घटनाओं को केन्द्र सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया है? जो सरकार पाकिस्तान में घूस कर बदला ले सकती है, वह सरकार अब तक शांत क्यों है? ऐसा क्यों हो रहा है, इसकी तह तक जाने की जरूरत है। आतंकी जिस तरह अपनी रणनीति बदलकर सुरक्षा बलों को कहीं अधिक क्षति पहुंचाने में समर्थ दिखने लगे हैं, वह किसी बड़ी साजिश का संकेत है। एक ओर सीमा पार से होने वाली आतंकियों की घुसपैठ पर प्रभावी नियंत्रण करना होगा, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान को नए सिरे से सबक भी सिखाना होगा। यह इसलिए अनिवार्य हो गया है, क्योंकि पिछले कुछ समय में आतंकी हमलों में बलिदान होने वाले सैनिकों की संख्या कहीं अधिक बढ़ी है। पाकिस्तान सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से यह आतंक का खेल फिर शुरू कर रहा है। कहीं न कहीं दिल्ली में बनी गठबंधन सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि पाक पोषित आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में शांति एवं अमन को कायम नहीं रहने देंगे। एक आंकड़े के अनुसार पिछले तीन वर्ष में करीब 50 जवानों को अपना बलिदान देना पड़ा है। यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं। आतंक को करारा जवाब केवल तभी नहीं दिया जाना चाहिए, जब एक साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों के जवानों को बलिदान देना पड़े। वास्तव में हमारे एक भी सैनिक का बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। डोडा की घटना के बाद यह जो कहा जा रहा है कि सैनिकों के बलिदान का बदला लिया जाएगा, उसे न केवल पूरा करके दिखाया जाना चाहिए, बल्कि आतंकियों, उनके आकाओं और उन्हें सहयोग-समर्थन देने वालों पर ऐसा करारा प्रहार किया जाना चाहिए, जिससे वे अपनी हरकतों से हमेशा के लिए बाज आएं। पाकिस्तान भले ही आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा हो, लेकिन वह जम्मू कश्मीर में पहले की तरह ही आतंकवाद को बढ़ावा देने में लगा हुआ है। उसकी घरेलू व विदेश नीति 'कश्मीर' पर ही आधारित है। चूंकि इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन उसे उकसाने में लगा हुआ होगा, इसलिए भारत को कहीं अधिक सतर्क रहना होगा। केन्द्र सरकार ने कश्मीर में विकास कार्यों को तीव्रता से साकार किया है, न केवल विकास की बहुआयामी योजनाएं वहां चल रही है, बल्कि पिछले 10 सालों में कश्मीर में आतंकमुक्त करने में भी बड़ी सफलता मिली है। बीते साढ़े तीन दशक के दौरान कश्मीर का लोकतंत्र कुछ तथाकथित नेताओं का बंधुआ बनकर गया था, जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिये जो कश्मीर देश के माथे का ऐसा मुकुट था, जिसे सभी प्यार करते थे, उसे डर, हिंसा, आतंक एवं दहशत का मैदान बना दिया। लेकिन वहां विकास एवं शांति स्थापना का ही परिणाम रहा कि चुनाव में लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेकर लोकतंत्र में अपना विश्वास व्यक्त किया। बढ़ती आतंकी घटनाओं पर गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नजर बनाए हुए हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि सुरक्षा बल आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देगा लेकिन रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि सुरक्षा बलों को आतंकियों के प्रति अपनी रणनीति बदलनी होगी और आतंकी जिन बिलों में छिपे होंगे उन्हें वहां से निकालकर ढेर करना होगा। आतंकवाद पर अंतिम प्रहार करने की तैयारी करनी होगी और साथ ही आतंकियों के मददगारों की भी पहचान करनी होगी, तभी आतंकवाद को नेस्तनाबूद किया जा सकता है। पुलिस के आला अधिकारी यदि यह कह रहे हैं कि घाटी के नागरिक समाज में पाकिस्तानी 'घुसपैठ' को बढ़ावा देने में कतिपय राजनीतिक दलों का रुख भी जिम्मेदार रहा है, तो क्या यह आधारहीन है? इसका मुकाबला हर स्तर पर हम एक होकर और सजग रहकर ही कर सकते हैं। यह भी तय है कि बिना किसी की गद्दारी के ऐसा संभव नहीं होता है। ताजा आतंकी हमलों के विकराल रूप कई संकेत दे रहे हैं, उसको समझना है। कई सवाल खड़े कर रहा है, जिसका उत्तर देना है। यह पाकिस्तान का बड़ा षड़यंत्र है इसलिए इसका फैलाव भी बड़ा हो सकता है। ये घटनाएं चिल्ला-चिल्ला कर कह रही हैं हमारी खोजी एजेन्सियों से, हमारी सुरक्षा व्यवस्था से कि वक्त आ गया है अब जिम्मेदारी से, सख्ती से और ईमानदारी से जम्मू-कश्मीर को संभालें।

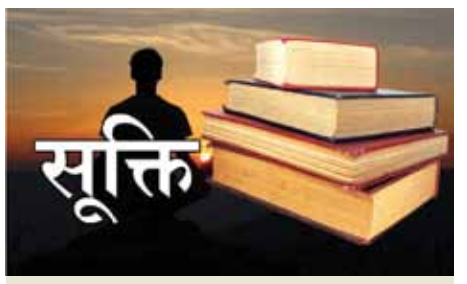

अहंकार मनुष्य का बहुत बड़ा दुश्मन है। वह सोने के हार को भी मिट्टी का बना देता है।
- महर्षि वाल्मीकि

यदि किसी युवती के दोष जानना हों, तो उसकी सखियों में उसकी प्रशंसा करो।
- बेंजामिन फ्रैंकलिन

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, अषाढ़ शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि चतुर्दशी, शनिवासरे, पू.षा. नक्षत्रे, वैधृत योगे, वव करणे, पूर्व की चंद्रमा, धनु राशि की भद्रा सांय 5/9 से 4/32 तक क्रत की 15 पूर्णिमा, प्रदोष में शयनोत्सव तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, धनी-मानी, वक्ता-प्रवक्ता, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, विभागीय अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी तथा उत्तम कुल भूषण, दानी-मानी, धर्मशाला निर्माणकर्ता होगा।
मेष राशि - मानसिक बेचैनी, दुर्घटनाग्रस्त होने से बचें, अधिकारियों से तनाव बनेगा।
वृष राशि - योजनायें फलीभूत होंगी, सफलता के साधन जुटायेंगे तथा विशेष लाभ अवश्य होगा।
मिथुन राशि - अचानक हुआ झगड़ा कष्टप्रद होगा, विशेष कार्य स्थगित रखें, कार्य की अधिकता रहेगी।
कर्क राशि - परिश्रम से कुछ सफलता मिले, कार्य-व्यवसाय की विशेष चिन्ता बनेगी।
सिंह राशि - किसी अपवाद व दुर्घटना से बचें, व्यवसायिक क्षमता में बाधा बनेगी।
कन्या राशि - व्यवसायिक गति उत्तम होगी, चिन्ता कम होगी, अवरोध के बाद कार्य बनेंगे।
तुला राशि - मानसिक बेचैनी, उद्विग्नता के योग बनेंगे तथा कुटुम्ब में क्लेश होगा।
वृश्चिक राशि - सामर्थ वृद्धि के बाद तनाव, झगड़ा व झंझट की स्थिति बनेगी, धैर्य से कार्य करें।
धनु राशि - कुटुम्ब की समस्यायें कष्टप्रद होंगी, तनाव तथा धन का व्यर्थ व्यय होगा।
मकर राशि - योजनायें फलीभूत होंगी, सफलता के साधन अवश्य ही जुटायें, कार्य बनेंगे।
कुंभ राशि - स्वभाव में खिन्नता, मानसिक बेचैनी तथा अनेक कार्य बिगड़ जायेंगे ध्यान दें।
मीन राशि - तनाव, क्लेश तथा अशांति का वातावरण बनेगा, परिश्रम विफल होगा, कार्यगति मंद होगी।

कांवड़ यात्रा और नौकरशाही का सरकस

राकेश अचल

घुटने जबाब न दे गए होते तो मै भी एक बार कांवड़ यात्रा पर जरूर जाता और आरिफ आम वाले से आम लेकर जरूर खाता। कांवड़ यात्रा पर जाना महत्वपूर्ण इसलिए है क्योंकि किसानों और बेरोजगारों पर लाठियां बरसाने वाली यूपी सरकार कांवड़ यात्रियों पर हेलीकॉपटर से पुष्पवर्षा करती है। मोहर्रम और मिलाद-उल नवी का जुलूस निकलने वालों को ये सुख हासिल नहीं है। हासिल इसलिए नहीं हैक्योंकि सूबे में सरकार उनकी नहीं है। मुझे हैरानी हुई जब मैंने मुजफ्फरनगर में पुलिस प्रशासन की और से जारी उस आदेश के बारे में पढ़ा, जिसमें कहा गया है कि कांवड़ यात्रा के रास्ते में दुकाने लगाने वाले अपनी दुकानों के बाहर अपने नाम की पट्टियां भी लगाएं। मुझे अखबारनवीसी करते हुए चार दशक और लिखते पढ़ते पांच दशक हो गए हैं , ऐसा आदेश मैंने पहले देश के किसी हिस्से में नहीं देखा। मुझे लगता है कि यूपी में नौकरशाही पर मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ का असर इतना है कि नौकरशाही भी हिंदुत्व के रंग में रंग कर साम्प्रदायिक हो गयी है। कहने को मुख्यमंत्री हों या पुलिस अधीक्षक दोनों हिन्दुस्तान के संविधान की शपथ लेकर जनसेवा के लिए अपने आपको प्रस्तुत करते हैं किन्तु दुर्भाग्य ये है कि दोनों में से कोई भी संविधान के तहत चलने के लिए तैयार नहीं है। सबका अपना एजेंडा होता है। यथा राजा,तथा प्रजा अर्थात यदि सरकार का मुखिया साम्प्रदायिक होगा तो नौकरशाही अपने आप साम्प्रदायिक हो जाएगी । कोई भी सौ सिर का हो जाये इसे रोक नहीं सकता। कोई सरकार से सवाल नहीं करता की सरकार कि और से कांवड़ यात्रियों पर सरकारी खर्च से पुष्प वर्षा क्यों कराई जाती है और मोहर्रम के जुलूस या दूसरे धार्मिक जुलूसों के साथ ऐसा सम्मान क्यों प्रकट नहीं किया जाता ? दरअसल सरकारों से सवाल करना अब अपराध की श्रेणी में आता है । ये सिलसिला केंद्र की तरफ से शुरू हुआ था और अब देशव्यापी हो गया है। सरकार या सरकारें सबका साथ -सबका विकास का नारा जरूर देतीं हैं लेकिन विकास उसी का करतीं हैं जिसने सरकार का साथ दिया है । असहमत समाज के लिए किसी भी साम्प्रदायिक सरकार के पास कोई सुविधा नहीं है। असहमत समाज के लिए सरकार के पास बुलडोजर है, नौकरशाही के ऊल-जलूल आदेश हैं। सरकारें निरंकुश हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजों से सबक लेने के बजाय वे और आक्रामक और बेलगाम हो रहीं हैं अल्पसंख्यक समाज की घोषित शत्रु डबल इंजिन की सरकारें अल्पसंख्यकों खासकर मुसलमानों के खिलाफ जितना कर सकतीं हैं कर रहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार से दो कदम आगे निकलकर असम की भाजपा सरकार ने मुस्लिम विवाह क़ानून को ही रद्द कर दिया। सरकार तो सरकार है ,कुछ भी कर सकती है भले ही उसे ऐसा करने का संवैधानिक अधिकार हो या न हो। संविधान डबल इंजिन की सरकारों के ठेंगे पर रहता है। हालाँकि संविधान से डबल इंजिन सरकारों का थोड़ा सा नाता बचा है। वे प्रतिपक्ष के संविधान बचाओ अभियान के जबाब में संविधान हत्या दिवस जरूर मानाने की तैयारी कर रहे हैं। मै अक्सर टीवी की खबरें नहीं देखता,लेकिन कल संयोग से देखी तो मुझे पता चला की मुजफ्फरनगर में कांवड़ यात्रा का करीब 240 किलोमीटर का रूट पड़ता है. इसलिए यह महत्वपूर्ण जिला है. यहां पुलिस के निर्देश के बाद दुकानों ने अपने-अपने नाम के साथ किस चीज की दुकान है, उसका नाम लिखकर पोस्टर लगा लिए हैं. किसी ने अपने ठेले पर आरिफ आम वाला तो किसी ने निसार फल वाला की पर्ची लिखकर टांग ली है। मुझे तो लगता है की सरकार और नौकरशाही से ज्यादा संविधान का सम्मान ये गरीब फल बेचने वाले आल्पसंख्यक करते हैं। इनका सम्मान किया जाना चाहिए। इस फरमान को लेकर विपक्षी नेता यूपी सरकार और यूपी पुलिस पर निशाना साध रहे हैं. इस बीच पूर्व मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी का सोशल.मीडिया पोस्ट सामने आया है, जिसमें उन्होंने अधिकारियों के आदेश की आलोचना की है। नकवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, कुछ अति-उत्साही अधिकारियों के आदेश हड़बड़ी में गड़बड़ी वाली अस्पृश्यता की बीमारी को बढ़ावा दे सकते हैं. आस्था का सम्मान होना ही चाहिए, पर अस्पृश्यता का संरक्षण नहीं होना चाहिए. जनम जात मत पूछिए, का जात अरु पात. रैदास पूत सब प्रभु के,कोए नहिं जात कुजात. नकवी के साथ मेरी पूरी सहानुभूति है। वे भाजपा के कायर मुस्लिम नेता हैं। भाजपा ने जब लोकसभा चुनावों के समय एक भी मुस्लिम को अपना प्रत्याशी नहीं बनाया था ,तब नकवी कहाँ गए थे ? उनकी आवाज नक्कारखाने में तूती की आवाज से भी गयी-गुजरी आवाज है।

याद रखना, भूल ना जाना वतन पर मरने वालों को

आर.के. सिन्हा

अब कुछ दिनों के बाद ही 26 जुलाई को सारा देश "कारगिल विजय दिवस" के रूप में मनाएगा। उस युद्ध में भारतीय सेना ने सभी बाधाओं को पार करते हुए भारी बलिदान देते हुये भी कारगिल क्षेत्र के बर्फीले पहाड़ों से पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ दिया था। यह भारत का पहला टेलीविज़न युद्ध भी था जिसके दौरान टोलोलिंग और टाइगर हिल जैसे अज्ञात निर्जन शिखर सारे देश की जुबान पर आ गए थे। कारगिल युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच मई और जुलाई 1999 के बीच हुआ था। परवेज मुशर्रफ की सरपरस्ती में पाकिस्तान की सेना और कश्मीरी उग्रवादियों ने भारत और पाकिस्तान के बीच की नियंत्रण रेखा पार करके भारत की ज़मीन पर कब्ज़ा करने की कोशिश की। पाकिस्तान ने दावा किया कि लड़ने वाले सभी कश्मीरी उग्रवादी हैं, लेकिन युद्ध में बरामद हुए दस्तावेजों और पाकिस्तानी नेताओं के बयानों से साबित हो गया था कि पाकिस्तान की सेना प्रत्यक्ष रूप में इस युद्ध में शामिल थी। भारतीय सेना और वायुसेना ने पाकिस्तान के कब्जे वाली जगहों पर हमला किया और धीरे-धीरे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से पाकिस्तान को सीमा पार घुसपैठ को छोड़, अपने वतन में वापिस जाने को मजबूर किया। कारगिल युद्ध ऊँचाई वाले इलाके पर हुआ था और भारतीय सेनाओं को पहाड़ियों के नीचे से लड़ने में काफ़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। परमाणु बम बनाने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ यह पहला सशस्त्र संघर्ष था। अंततः 26 जुलाई 1999 को भारत ने कारगिल युद्ध में विजय हासिल की थी। इसलिए 26 जुलाई हर वर्ष "कारगिल विजय दिवस" के रूप में मनाया जाता है। उस करीब दो महीने तक चले युद्ध में भारतीय सेना ने लगभग 527 से अधिक वीर योद्धाओं को खोया था वहीं 1300 से ज्यादा घायल हुए थे। युद्ध में 2700 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए थे। उन शहीदों के नाम कोई भी राजधानी के राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में जाकर देख सकता हैं। उस जंग में दुश्मन के दांत खट्टे करने वाले शहीद कैप्टन अनुज नैयर की शौर्यगाथा को किसने नहीं सुना? राजधानी के दिल्ली पब्लिक स्कूल, धौला कुआं के छात्र रहे कैप्टन अनुज नैयर जाट रेजिमेंट में थे। कैप्टन अनुज नायर ने कारगिल जंग में टाइगर हिल्स सेक्टर में अपने साथियों के घायल होने के बाद भी मोर्चा सम्भाले रखा था। उन्होंने दुश्मनों को धूल में मिलाकर इस सामरिक चोटी "टाइगर हिल्स" को शत्रु के कब्जे से मुक्त करवाया था। अब बात करें कैप्टन हनीफुद्दीन की। कैप्टन हनीफुद्दीन राजपूताना राइफल्स के अफसर थे। कैप्टन हनीफुद्दीन ने कारगिल की जंग के समय तुरतुक में शहादत हासिल की थी। कारगिल के तुरतुक की ऊंची बर्फ से ढंकी पहाड़यों पर बैठे दुश्मन को मार गिराने के लिए हनीफुद्दीन ऊपर से हो रहे गोलाबारी के बावजूद आगे बढ़ते रहे थे। उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर 18 में कैप्टन विजयंत थापर मार्ग है। कैप्टन थापर कारगिल युद्ध में देश के लिए कुर्बानी देने वाले सबसे कम उम्र के जांबाज थे। जून 1999 में कैप्टन विजयंत थापर ने तोलोनिंग पहाड़ी पर विजय हासिल की और भारत का तिरंगा लहराया। ये तो छोटी सी शौर्य गाथाएं हैं हमारे कुछ वीरों की। ये और बाकी तमाम वीरों को इसलिए रणभूमि में अपने प्राणों का बलिदान देना पड़ा, क्योंकि परवेज मुशर्रफ पर एक तरह से पागलपन सवार था। अंततः उसका उसे नुकसान ही हुआ। आजादी के बाद देश की सेनाओं ने चीन के खिलाफ 1962 में और पाकिस्तान के खिलाफ 1948, 1965, 1975 और 1999 में जंग लड़ी। ये सारी लड़ाईयां हम पर थोपी गईं। हमने तो कभी आक्रमण किया ही नहीं। 1987 से 19990 तक श्रीलंका में ऑपरेशन पवन के दौरान भारतीय शांति सेना के शौर्य को भी नहीं भुलाया जा सकता है। 1948 में 1,110 जवान, 1962 में सबसे ज्यादा 3,250 जवान, 1995 में 3,64 जवान, श्रीलंका में 1,157 जवान और 1999 में 522 जवान शहीद हुए। हमारी सेना में ऐसे जवानों की भी कमी नहीं है जो अलगाववादियों को पस्त करते हुए शहीद हुए। इस बीच, पिछले सप्ताह जम्मू कश्मीर में आतंकियों से लड़ते हुए शहीद पांचों जवानों के शव विगत मंगलवार को देहरादून के जौलीग्रांट एयरपोर्ट

लाए गए। उत्तराखण्ड की समृद्ध सैन्य परंपरा को अपने अदम्य साहस और पराक्रम से गौरवान्वित करने वाले अमर शहीदों की शहादत को कोटिशः नमन और अश्रुपूरित श्रद्धांजलि। इन शहीदों में जूनियर कमीशन अधिकारी (जेसीओ) समेत पांच जवान शहीद और पांच अन्य घायल हो गए थे। शहीद होने वाले जवानों में सूबेदार आनंद सिंह, हवलदार कमल सिंह, राइफलमैन अनुज नेगी, राइफलमैन आदर्श नेगी, नायक विनोद सिंह शामिल हैं। गुस्ताखी माफ, कभी-कभी तो लगता है कि रणबांकुरों को लेकर समूचे भारतीय समाज का रुख ठंडा ही रहा है। इससे अधिक निराशाजनक बात क्या हो सकती है कि पाठ्यपुस्तकों में उन युद्धों पर अलग से अध्याय तक नहीं हैं, जिनमें हमारे जवानों ने जान की बाजी लगा दी। हमारे बच्चे आज भी मुगलों और अंग्रेजों के इतिहास ही पढ़ रहे हैं। हां, हम गणतंत्र दिवस और स्वाधीनता दिवस के मौके पर जवानों को याद करने की रस्म अदायगी जरूर कर लेते हैं। कुछ समय पहले खबर आई थी कि पंजाब के लुधियाना शहर के मुख्य चौराहे पर 1971 की जंग के नायक शहीद फलाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेंखो की आदमकद मूर्ति के नीचे लगी पट्टिका को ही उखाड़ दिया गया। लुधियाना सेखों का गृहनगर था। उन्हें अदम्य साहस और शौर्य के लिए मरणोप्रांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। यह सिलसिला यहीं नहीं थम जाता। मोदीनगर (उत्तर प्रदेश) में 1965 युद्ध के नायक शहीद मेजर आशा राम त्यागी की मूर्ति देखकर तो किसी भी सच्चे भारतीय का कलेजा फटने लगेगा। इस तरह से दिल्ली सरकार ने भी शायद ही कभी कोशिश की हो कि 1971 की जंग के नायक अरुण खेत्रपाल के नाम पर किसी सडक़ या अन्य स्थान का नामकरण किया जाए। मुग़ल और अंग्रेज शासकों के नाम पर सड़कों की भरमार है। कौन कहता है कि दिल्ली बेदिल है। ये अपने शूरवीरों को याद रखती है। अब बातें-याद करें मेजर (डॉ.) अश्वनी कान्वा की। वे भारतीय शांति रक्षा सेना (आईपीकेएफ) के साथ 1987 में जाफना, श्रीलंका गए थे। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज के स्टुडेंट रहे थे मेजर अश्वनी कान्वा। हमेशा टॉपर रहे। मेजर कान्वा 3 नवंबर, 1987 को अपने कैंप में घायल भारतीय सैनिकों के इलाज में जुटे हुए थे। उस मनहूस दिन शाम के वक्त उन्हें पता चला कि हमारे कुछ जवानों पर कैंप के बाहर ही हमला हो गया है। वे फौरन वहां पहुंचे। वे जब उन्हें फर्स्ट एड दे रहे थे तब छिपकर बैठे लिट्टे के आतंकियों ने उन पर गोलियां बरसा दीं। अफसोस कि दूसरों का इलाज करने वाले डॉ. मेजर कान्वा को फर्स्ट एड देना वाला कोई नहीं था। बेहद हैंडसम मेजर अश्वनी की शादी के लिए लड़की ढूंढी जा रही थी जब वे शहीद हुए। वे तब 28 साल के थे। आपको इस तरह के न जाने कितने ही उदाहरण मिल जाएँगे। ज़रूरत है कि वतन के लिए अपनी जान का नजराना देने वालों को सदा याद रखे भारत।

शब्द पहेली - 8194

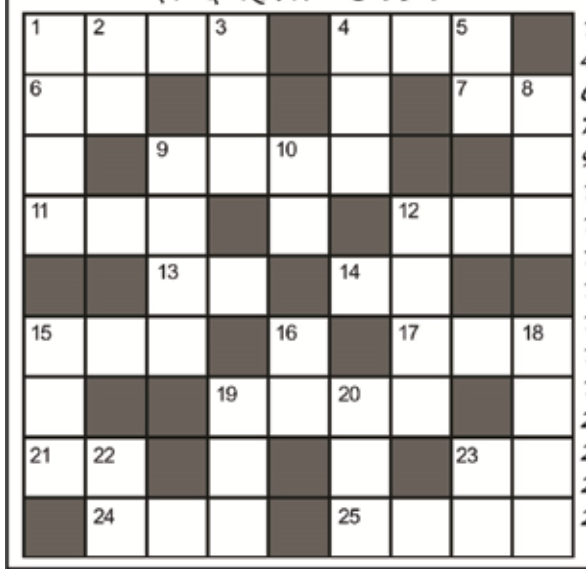

बाएँ से दाएँ

1. कलाकार, अदाकार-4
4. फूलों की छोटी माला, वेणी-3
6. पैर, पांव-2
7. अधिकार-2
9. खानाबदोश, बंजारा-4
11. राशन, खाद्य सामग्री-3
12. टेसू के फूल-3
13. कपोल, रुखसार-2
14. विजय-2
15. डोली उठाने वाले-3
17. जल प्रपात-3
18. गठबंधन-4
21. पानी, जल-2
23. नौका-2
24. देह, काया, शरीर-3
25. अगुवा, राह दिखाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1. उपवास का खाना-4
2. झुका हुआ-2
3. व्यवहार-3
4. समयघोष-3
5. मार्ग, पथ-2
8. गागर, घड़ा, घट-3
9. स्मारक-4
10. हत्या, कत्ल-2
12. पत्तों के गिरने का मौसम-4
15. कथा, गाथा-3
16. अष्टम-2
18. नामचीन-4
19. रवाना होना-3
20. विदूषक, मसखरा-3
22. ईश्वर, भगवान-2
23. बटन, स्विच-2

शब्द पहेली -8193 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7132

सरल

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7131 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

एक्यूपंचर चिकित्सा

के क्षेत्र में बढ़ाएं कदम

एक्यूपंचर में डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। इस क्षेत्र में उचित प्रशिक्षण व अनुभव की आवश्यकता होती है। इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए आप बारहवीं के बाद एक वर्ष के डिप्लोमा कोर्स से लेकर तीन वर्षीय डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।

चीन से उत्पन्न हुआ एक्यूपंचर चिकित्सा विज्ञान का इस्तेमाल आज पूरे विश्व में किया जाता है। एक्यूपंचर को नीडलिंग थेरेपी भी कहा जाता है। इस चिकित्सा थेरेपी के दौरान विशिष्ट बिंदुओं पर बहुत बारीक सुइयों का इस्तेमाल करके दर्द या बीमारी का इलाज किया जाता है। एक्यूपंक्चर इस सिद्धांत पर आधारित है कि ऊर्जा, जिसे ची भी कहा जाता है, शरीर में और आसपास के मार्ग से बहती है। लेकिन व्यक्ति को बीमारी तब होती है, जब यह ऊर्जा या ची ब्लॉक हो जाती है। एक्यूपंक्चर प्रक्रिया ची को अनब्लॉक या प्रभावित करने और वापस संतुलन में लाने में मदद करने का एक तरीका है। इन दिनों पूरे विश्व में जब लोग वैकल्पिक चिकित्सा का रूख कर रहे हैं तो ऐसे में एक्यूपंचर को बेहद प्रभावी माना जा रहा है। अगर आप चाहें तो इस क्षेत्र में अपना सुखद भविष्य देख सकते हैं

स्किल्स

एक्यूपंचर में अपना भविष्य देख रहे छात्रों में वैकल्पिक चिकित्सा और हॉलिस्टिक हीलिंग प्रॉपर्टीज में गहरी रूचि होनी चाहिए। इसके अलावा, आपमें बेहतरीन इंटरपर्सनल, कम्युनिकेशनल व लिसनिंग स्किल्स होने चाहिए। साथ ही आपमें संवेदनशीलता और पेंशेट की समस्या को समझने की गहरी समझ होनी चाहिए। धैर्य, सेल्फ अवेयरनेस और इमोशनल स्टेबिलिटी भी एक एक्यूपंचर स्पेशलिस्ट के लिए जरूरी है।

योग्यता

एक्यूपंचर में डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। इस क्षेत्र में उचित प्रशिक्षण व अनुभव की आवश्यकता होती है। इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए आप बारहवीं के बाद एक वर्ष के डिप्लोमा कोर्स से लेकर तीन वर्षीय डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा ग्रेजुएशन के बाद आप दो वर्ष का मास्टर कोर्स भी कर सकते हैं। एक्यूपंक्चर पाठ्यक्रम में छात्रों को एक्यूपंक्चर के विभिन्न पहलुओं जैसे शरीर के एक्यूपंक्चर बिंदुओं, एक्यूपंक्चर के फंडामेंटल, एक्यूपंक्चर मेरिडियन्स, फाइव एलिमेंट थ्योरी, एंसिलियरी एक्यूपंक्चर, क्लासिकल एक्यूपंक्चर, एप्लाइड एक्यूपंक्चर, इतिहास और पारंपरिक चीनी दवा (टीसीएल) के बारे में सिखाते हैं।

संभावनाएं

एक एक्यूपंचर स्पेशलिस्ट क्लीनिक, जिम, हेल्थ सेंटर्स, रिहैबिलेशन सेंटर्स, रिकवरी केयर यूनिट्स और मनोरोग वार्ड में काम कर सकते हैं। इसके अलावा, आप इस क्षेत्र में रिसर्च कर सकते हैं और एक्यूपंचर कोर्स संचालित करने वाली यूनिवर्सिटी व इंस्टीट्यूट में बतौर शिक्षक काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप स्वतंत्र निजी चिकित्सक के रूप में भी काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में स्वरोजगार बेहद आम है।

एनर्जी मैनेजमेंट में आगे बढ़ने का अवसर

ऊर्जा संकट आज पूरे विश्व की समस्या है। परंपरागत ऊर्जा पर निर्भरता के दुष्परिणाम बेमौसम बारिश, बाढ़, प्रदूषण, ग्लोबल वॉर्मिंग जैसी समस्याओं के रूप में हमारे सामने हैं। ऐसे में बीते कुछ वर्षों में क्लीन एनर्जी का महत्व काफी बढ़ा है। भारत भी ऊर्जा की अपनी भारी-भरकम जरूरतों को पूरा करने के लिए ऊर्जा के अतिरिक्त स्रोतों यानी वैकल्पिक ऊर्जा, जैसे सोलर एनर्जी, विंड एनर्जी, बायो एनर्जी या हाइड्रो एनर्जी पर ज्यादा फोकस कर रहा है। विभिन्न ऊर्जा स्रोतों के कुशल इस्तेमाल पर भी जोर दिया जा रहा है, जिसमें एनर्जी एफिशिएंट बिल्डिंग डिजाइन, रिस्क असेसमेंट, टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट, मैनेजरियल स्किल्स जैसी कोशिशें शामिल हैं। यही कारण है कि नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में एनर्जी मैनेजमेंट के ट्रेंड प्रोफेशनल्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। देश में अभी तक सौर तथा पवन ऊर्जा क्षेत्र में करीब 70 हजार लोगों को फुल-टाइम जॉब मिल चुकी हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि वर्ष 2025 तक उत्पादन क्षमता लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश में करीब 1,83,500 फुल-टाइम नौकरियों के अवसर और पैदा होंगे।

क्या है एनर्जी मैनेजमेंट?

एनर्जी मैनेजमेंट का महत्व आजकल सभी प्रतिष्ठानों में है। यह एक उभरता हुआ क्षेत्र है, जिसके अंतर्गत ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, ऑपरेशन, फाइनेंस, मार्केटिंग तथा स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट जैसे मैनेजेरियल वर्क एरिया शामिल हैं। ऐसे ट्रेंड प्रोफेशनल आम तौर पर एनर्जी कॉरपोरेशंस के मैनेजमेंट में बड़ी भूमिका निभाते हैं।

तरक्की की संभावनाएं

क्लीन एनर्जी इंडस्ट्री भले ही अभी शुरूआती दौर में है लेकिन यहां युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर करियर की संभावनाएं मौजूद हैं। बीते 4 वर्षों में सौर ऊर्जा का बाजार सौ गुना से भी ज्यादा तेज गति से आगे बढ़ा है। सोलर पावर उत्पादन क्षमता, जो अभी 20 गीगावॉट्स है, उसे वर्ष 2025 तक बढ़ाकर 100 गीगावॉट्स तक करने का लक्ष्य है। सोलर सेक्टर में निवेश भी बीते तीन वर्षों के करीब 8 बिलियन डॉलर के मुकाबले वर्ष 2023 में 10.9 बिलियन डॉलर तक हुआ। पवन ऊर्जा उत्पादन में भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा उत्पादक देश बन चुका है। इस ऊर्जा ऊत्पादन को भी अगले 6 वर्षों में 60 गीगावॉट्स तक पहुंचाने का लक्ष्य है। ये दोनों नए सेक्टर सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल हैं। ऐसे में आगे के वर्षों में देश की ऊर्जा जरूरतें पूरी होने के साथ-साथ एनर्जी मैनेजमेंट, मैन्युफैक्चरिंग, ट्रेडिंग, सर्विसिंग, इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी व सोशल एंटरप्रेन्योरशिप जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर और बढ़ेंगे।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

देश के कई विश्वविद्यालय अलग-अलग नामों से पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर रिन्यूएबल एनर्जी मैनेजमेंट या एनर्जी स्टडीज से जुड़े कोर्स ऑफर कर रहे हैं। इस तरह के कोर्स में बीटेक, बीई या एमएससी फिजिक्स के विद्यार्थी दाखिला ले सकते हैं। कई बिजनेस संस्थानों में एनर्जी मैनेजमेंट या पावर मैनेजमेंट जैसे एमबीए कोर्स भी ऑफर किए जा रहे हैं, जिन्हें ग्रेजुएशन के बाद किया जा सकता है।

सैलरी कितनी?

रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में डिप्लोमाधारी युवाओं को शुरूआत में ही 10 से 15 हजार रूपए की सैलरी आसानी से मिल जाती है। वहीं, हाई क्वॉलिफाइड टेक प्रोफेशनल्स को शुरू में 5 से 6 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज मिल सकता है।

जॉब के अवसर

रिन्यूएबल एनर्जी एंड मैनेजमेंट सेक्टर से संबंधित सभी सरकारी व निजी उद्योगों में करियर के तमाम विकल्प मौजूद हैं। एनर्जी मैनेजमेंट के क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन के बाद युवा पावर डिस्ट्रिब्यूशन, ऑइल मार्केटिंग, पावर जनरेशन, ऑइल एक्सप्लोरिंग, पावर ट्रांसमिशन, एनर्जी पावर इंफ्रास्ट्रक्चर मैन्युफैक्चरिंग/ फाइनेंसिंग, एनर्जी सेक्टर, कंसल्टिंग सर्विसेज, सरकारी एजेंसियों यानी सोलर एनर्जी सेंटर, विंड एनर्जी टेक्नोलॉजी सेंटर, हाइड्रो एनर्जी सेंटर, इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी, ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी के अलावा एनजीओ में करियर बना सकते हैं। रिसर्च में रुचि रखने वाले युवा इनोवेशन से जुड़ सकते हैं। बायोटेक्नोलॉजी की पृष्ठभूमि वाले युवाओं के लिए बायोफ्यूल तथा बायो पॉलिमर्स के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं। इंजीनियर्स इस सेक्टर में मशीन व उपकरणों के निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं।

गेट परीक्षा पास करने के बाद इन क्षेत्रों में है बेहतर करियर

किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में भाग लेने से पहले हमें यह प्रश्न पूछना चाहिए कि यह परीक्षा भविष्य में हमें किन-किन रूपों में मदद करेगी। अगर आप गेट की परीक्षा में भी भाग लेने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले जान लीजिए कि इस परीक्षा को पास करने के बाद आप किन क्षेत्रों में अपना करियर बना सकते हैं। ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग एक राष्ट्रीय स्तर पर कंडक्ट कराया जाने वाला एग्जाम है जो इंजीनियरिंग के क्षेत्र में ग्रेजुएट छात्रों के लिए आयोजित की जाती है।

एमटेक

गेट परीक्षा में क्वालीफाई होने के बाद आप सीधे देश के सात आईआईटी या प्राइवेट संस्थानों में M. Tech के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह सबसे कॉमन प्रवेश द्वार है जिसकी तलाश हर इंजीनियर करता है। एक अच्छे गेट स्कोर (GATE Score) के साथ, आप देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में एम.टेक, स्टाइपेंड और विभिन्न एकेडमिक लाभों के लिए योग्य होंगे।

पीएसयू में नौकरी

आज, कई पीएसयू अच्छे गेट स्कोर वाले उम्मीदवारों को नियुक्त करते हैं। बीएचईएल, आईओसीएल, ओएनजीसी, एनटीपीसी आदि जैसे 200 से अधिक पीएसयू, इंजीनियरिंग उम्मीदवारों की भर्ती के लिए गेट स्कोर को बेहतर क्राइटेरिया मानते हैं। जब आप गेट की परीक्षा को क्रैक करते हैं तो आपको सीधे सरकारी क्षेत्र की नौकरियां मिल सकती हैं।

पीएचडी एडमिशन

इन दिनों एम.टेक योग्यता पीएचडी कार्यक्रमों के लिए चयनित होने के लिए अनिवार्य नहीं है, यदि आपके पास बीटेक डिग्री और अच्छा गेट स्कोर है तो आप सीधे पीएचडी कार्यक्रमों क लिए चुने जा सकते हैं। पीएचडी कार्यक्रमों के लिए एलिजिबल होने के लिए आपके पास एक बेहतर गेट स्कोर होना चाहिए और फिर रुचि वाले क्षेत्र में इंटरव्यू प्रोसेस के बाद पीएचडी में एडमिशन लिया जा सकता है।

मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट स्टडीज के तहत विभिन्न पाठ्यक्रम जैसे कि पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैन्युफैक्चरिंग मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट प्रदान करता है। इन पाठ्यक्रमों में क्वालीफाई होने के लिए उम्मीदवारों के पास इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी ग्रेजुएशन स्तर पर 60% और उससे अधिक के साथ वैध गेट स्कोर होना चाहिए।

थोड़े अभ्यास से आप भी बन सकते हैं सफल वक्ता

पब्लिक स्पीकिंग एक कला है, जिसमें कुशल लोग जीवन में भी काफी तरक्की कर जाते हैं। नौकरी की दुनिया हो या बिजनेस या फिर अन्य कोई भी फील्ड, तरक्की करने के लिए मंच पर बोलने की कला आनी चाहिए। आप देखते होंगे कि आज के दौर में सफल राजनेता हों या कॉरपोरेट हैड, वे बहुत अच्छे वक्ता भी होते हैं।

डर को करें दूर

अक्सर देखा जाता है कि इंट्रोवर्ट लोगों को जब ऑफिस में या किसी प्रोग्राम में लोगों की भीड़ के सामने बोलना पड़ता है, तो वे कांपने लगते हैं और उनकी जुबान लड़खड़ाने लगती है। ऐसा किसी के साथ भी हो सकता है। सबसे पहले आपको इस मामले में मन में आने वाले किसी भी तरह के डर को दूर करना होगा और इस बात पर ध्यान देना होगा कि प्रभावी तरीके से भाषण कैसे दिया जाए। यह जरूरी नहीं कि आप किसी प्रभावी वक्ता की तरह भाषण दे सकते हों लेकिन आपको आत्मविश्वास के साथ अपनी बात प्रभावी तरीके से कहने की कला आनी चाहिए। जो लोग मंच पर बहुत प्रभावी तरीके से भाषण दे लेते हैं, वे कोई सुपरह्यूमन नहीं होते। वे तो बस, मेहनती लोग होते हैं और यह जानते हैं कि अपनी बात पर जोर कैसे दिया जाए। इसलिए सारी आशंकाओं को दूर करते हुए सबसे पहले यह भरोसा पैदा करें कि आप यह कर सकते हैं।

तैयारी है महत्वपूर्ण

अपने भाषण की तैयारी इस तरह करें कि वह तार्किक प्रवाह वाला हो। उसे कहानियों, उदाहरणों आदि से ज्यादा से ज्यादा जीवंत बनाएं। तैयारी के लिए आप महान और अच्छे वक्ताओं के वीडियो देखें। स्पीच तैयार करने के बाद घर में ही जोर-जोर से बोलते हुए अभ्यास करें। ऐसा तब तक करें, जब तक कि आप इस बात से संतुष्ट नहीं हो जाते कि अब आप इसे प्रवाहमय तरीके से और आराम से लोगों के सामने बोल सकते हैं।

अपने लुक पर करें गौर

यह ध्यान रहे कि भाषण देने के लिए आपके आत्मविश्वास को बढ़ाने में सबसे पहला योगदान आपके बाहरी लुक का होता है। जब आप अच्छे दिखेंगे, तो अंदर से भी अच्छा महसूस करेंगे। आपके कपड़े फॉर्मल हों या कैजुअल, वे आरामदायक होने चाहिए।

देखें सकारात्मक पक्ष

इस बात पर विचार करें कि एक पब्लिक स्पीकर के रूप में आपके मजबूत और कमजोर पक्ष क्या हैं। आप जैसे हैं, उसी में बेहतर करने की कोशिश करें, अपने को वह न बनाएं जो आप नहीं हैं। जो आप बेहतर कर सकते हैं, उसी पर फोकस करें। आपके अंदर अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर हो सकता है, आप कहानियां सुनाने में माहिर हो सकते हैं या आप जटिल विचारों को टुकड़ों-टुकड़ों में बेहतर तरीके से पेश कर सकते हैं। खूबी कोई भी हो, उसका आपको फायदा उठाना चाहिए।

श्रोताओं का रखें ध्यान

इस बात पर अच्छी तरह से विचार करें कि आपके श्रोता क्या सुनना चाहते हैं। आप उनको क्या संदेश देना चाहते हैं? उनकी कौन-सी समस्या सुलझा सकते हैं? उनकी कौन-सी जरूरत पूरी कर सकते हैं? इन बातों को ध्यान में रखते हुए वह सब कुछ अपने भाषण में रखने की कोशिश करें। आपके श्रोता आपका भाषण क्यों सुनें? इसकी कोई वजह तो होनी चाहिए। शुरुआत में ही अपने भाषण को उनसे जोड़ने का प्रयत्न करें।

मुस्कराना न भूलें

मुस्कुराहट के साथ भाषण की शुरूआत करने से व्यक्ति खुश और सहज महसूस करता है। इसलिए भाषण से पहले एक बड़ी-सी स्माइल दें। कई लोग इसके जवाब में मुस्कुराएंगे, जिससे आप सहज होकर आत्मविश्वास से भरा महसूस करेंगे।

जानकारी है जरूरी

आप यदि कुछ जानते नहीं हैं, तो उसके बारे में बोल नहीं सकते। इसलिए टॉपिक के बारे में ज्यादा से ज्यादा पढ़ें और अलग-अलग स्रोतों से जानकारी हासिल करें। इससे आपका दृष्टिकोण व्यापक होगा और आप अपनी बात को बुद्धिमत्ता से रख पाएंगे।

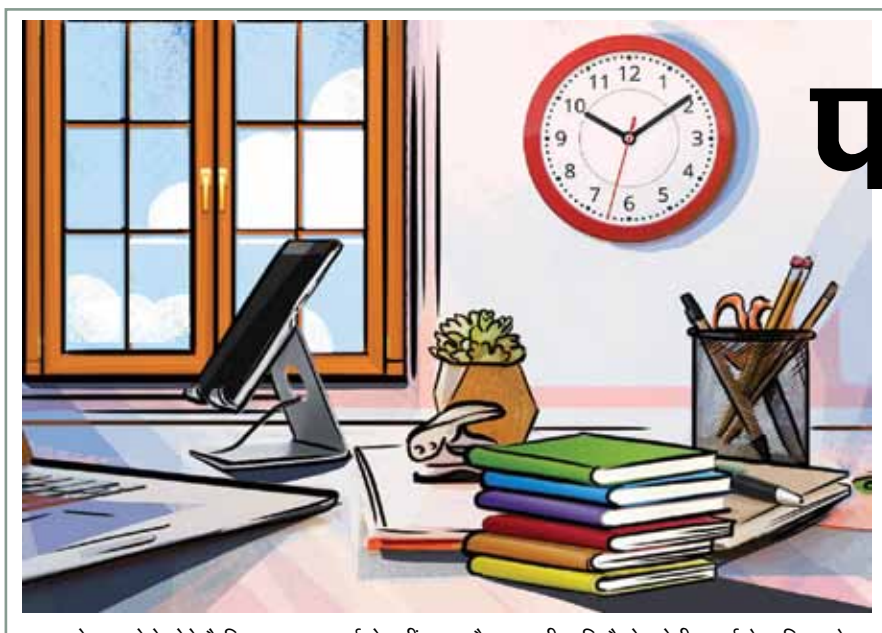

पढ़ाई में मन कैसे लगाएं

बहुत से छात्र ऐसे होते है जिनका मन पढ़ाई मे नहीं लगता है और वे जब भी पढ़ने बैठते है तो उनका मन कहीं और ही जाने लगता है और उनके मन मे कई प्रकार के विचार आने लगते है। इस कारण वे अच्छे से पढ़ाई नहीं कर पाते है और उनको परीक्षा मे कम अंक ही प्राप्त हो पाते है अगर आपके साथ भी कुछ ऐसा ही होता है तो इस पोस्ट को आखिर तक पढ़ने के बाद आपकी यह परेशानी दूर हो सकती है। क्योंकि हम आपको पढ़ाई मे मन लगाने और आपकी रुचि कैसे बढ़ेगी पढ़ाई के प्रति इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण टिप्स व उपाय बता रहे है।

पढ़ाई मे अच्छे से ध्यान लगाएं

कुछ छात्र ऐसे होते है जो क्लास मे पढ़ाई के समय ध्यान नहीं देते है और बाद मे उन्हे कोई सवाल पूछा जाता है तो वे कहते है की समझ मे नहीं आया या फिर याद नहीं है तो आपको ऐसा बिलकुल भी नहीं करना है जब टीचर आपको पढ़ाई के लिए प्रेरित करें तो उनके द्वारा कहीं गई बातों को ध्यान से सुने और पढ़ाई मे मन लगाने का प्रयास करें ऐसे निरंतर करने से आपका मन पढ़ाई मे लग जाएगा और आपको पढ़ने की लत लग जाएगी।

नकारात्मक सोच को दूर करें

आपको हमेशा खुद पर पूरा विश्वास करना है की आप कुछ भी कर सकते है सभी विषयो की पढ़ाई करके उन्हे याद भी रख सकते है दोस्तो जो हम सोचते है हम वे सब काम कर सकते है और आप कुछ भी कर सकते है यह वादा आपको अपने आप से करना है और सच्ची मेहनत के साथ पढ़ाई मे मन लगाना है और अपने अंदर के नकारात्मक सोच व विचारो को दूर करके टाइम टेबल के अनुसार पढ़ाई निरंतर करते रहना है।

एकाग्रता बनाए रखे

दुनिया मे जो भी व्यक्ति सफल होते है वे अपनी एकाग्रता के कारण ही होते है इसलिए आप जब भी पढ़ाई करने जाए तो पूरी एकाग्रता के साथ अपने विषय पर ध्यान दे और उस टोपिक को पूरा क्लियर करने का प्रयास करें। पढ़ाई करते समय आपके मन मे और कोइर भी विचार नहीं आना चाहिए आपका पूरा फॉक्स पढ़ाई पर होना चाहिए।

अनुभव का उपयोग करें

अनुभव पढ़ाई मे भी बहुत काम आता है इसलिए आप हमेशा पापने द्वारा व दूसरों के द्वारा की गई गलतियों से सीखते रहे और उन्हे दुवारा ना होने दे। आपकी पुस्तक मे आने वाले चित्रो से आप बहतू कुछ सीख सकते है और आसानी से याद भी कर सकते है। आप अपनी क्लास या फिर किसी भी अच्छे छात्र से प्रेरणा भी ले सकते है और सही तरीके से पढ़ाई कर सकते है और जीवन मे आगे बढ़ सकते है।

पढ़ने का सही तरीका अपनाएं

दोस्तो आपको बता दे की पढ़ाई करने के बहुत से तरीके है लेकिन सबसे सही तरीका जो आपके अंदर आलस को दूर करता है आपका ध्यान पढ़ाई मे अधिक से अधिक लगता है वो है कुर्सी और टेबल पर ही पढ़ाई करनी चाहिए इस तरीको को अपनाते समय आपको थोड़े दिनो तक अलग सा लग सकते है लेकिन जब आप रेगुलर इस प्रकार पढ़ाई करेंगे तो आपकी रुचि अपने आप पढ़ाई के प्रति बढ़ती चली जाएगी और आप पढ़ाई मे होशियार बनते चले जाएंगे।

ऐसे बनाएं पढ़ाई की समय सारणी

आपको हमेशा और रेगुलर अच्छी पढ़ाई के लिए समय सारणी बनानी बहुत जरूरी है और इसका सभी तरीके से पालन करने से आप कभी भी पढ़ाई मे पीछे नहीं रहेंगे तो आइये जानते है पढ़ाई की समय सारणी कैसे बनाए। सभी भी आप अपनी पढ़ाई के लिए समय निर्धारित करें तो आपको सभी विषयो के लिए रोजाना टाइम निकालकर पढ़ाई करना है और आपको पढ़ाई करते समय हर 45 से 01 घंटे के अंदर 5-10 मिनट का ब्रेक भी लेना सही होता है। आप पढ़ाई का वो समय निर्धारिक करें जिस समय आपको कोई और काम के लिए बाध्यता ना हो आप दिन या फिर रात कभी भी पढ़ाई कर सकते है। आपको जैसे भी अच्छा लगे लेकिन आपको अपनी पढ़ाई निरंतर व सभी विषयो की पढ़ाई समय सारणी के अनुसार ही करनी चाहिए।

पढ़ाई के बीच मे रेस्ट करने का समय निर्धारित करें

दोस्तो ऐसा नहीं है की आप कुछ दिनो के लिए पूरे दिन पढ़ाई करके ही सब कुछ सीख सकते है हा कुछ छात्र ऐसा भी करते है की वे परीक्षा के समय पूरे दिन पढ़ाई करते है और परीक्षा को पास कर लेते है लेकिन ऐसा करने से जीवन मे हमेशा सब कुछ कवर नहीं हो पाता है आपको अपनी पढ़ाई के बीच रेस्ट का भी ध्यान रखना है और निरंतर पढ़ाई करते रहना चाहिए। समय पूरा होने पर आपको फिर से पढ़ाई शुरू करनी चाहिए।

अपने लेवल को चेक करते रहे

आपको अपनी पढ़ाई को सही तरीके से करते रहना है और समय-समय पर अपनी पढ़ाई के स्तर को चेक भी करते रहना है। ताकि आपको अपनी कमी का पता लग सके और आप उसे दूर कर सके। ऐसा करने से आपको पढ़ाई मे अधिक सगलता मिलेगी।

ओलंपिक में अमन , विनेश सहित सभी पहलवानों पर जीत के लिए रहेगा दबाव

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक खेलों में इस बार भारत की ओर से पुरुष वर्ग में अमन सहरावत ही प्रवेश हासिल कर पाये हैं। वहीं महिला वर्ग में विनेश फोगाट सहित पांच खिलाड़ियों ने प्रवेश हासिल किया है। ऐसे में इन पहलवानों पर पदक जीतने का दबाव रहेगा। इसका कारण ये है कि भारतीय पहलवानों का प्रदर्शन ओलंपिक खेलों में हमेशा अच्छा रहा है। ऐसे में इस बार भी पहलवानों पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा।

अमन सहरावत (पुरुष फ़्रीस्टाइल 50 किग्रा) : अमन ने 57 किग्रा भार वर्ग में रवि दहिया की जगह ओलंपिक टिकट हासिल किया है। उनका दमखम और धैर्य बनाए रखना मजबूर पक्ष है। अगर मुकाबला 6 मिनट तक चलता है तो उन्हें हराना आसान नहीं होगा। ऐसे में उनके लिए पेरिस में विरोधी मुश्किलें पैदा कर सकते हैं।

विनेश फोगाट (महिला 50 किग्रा) : विनेश फोगाट भारत की सबसे अनुभवी महिला पहलवानों में से एक हैं। मजबूत रक्षण और उतना ही प्रभावशाली आक्रमण उनकी ताकत है पर पिछले एक साल में उन्हें शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने का अवसर मौका मिला है। इसके लिए उन्हें अपना वजन कम करना होगा।

अंतिम पंघाल (महिला 53 किग्रा) : अंतिम पंघाल पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली पहली पहलवान रही हैं। अंतिम का मजबूत पक्ष उनका लचीलापन है जिससे वह विरोधी की पकड़ से जल्दी बाहर निकल जाती है। उन्होंने हालांकि एशियाई खेलों में भाग नहीं लिया और पीठ की चोट के कारण उन्हें इस साल एशियाई चैम्पियनशिप से बाहर होना पड़ा। ऐसे पिछले कुछ समय में कम प्रतियोगिताओं में भाग लेने से अभ्यास की कमी उनके लिए नुकसानदेह हो सकती है

रीतिका हुड्डा (महिला 76 किग्रा) : रीतिका अपनी ताकत के बल पर मजबूत खिलाड़ियों को भी हैरान कर देती हैं। इससे अनुभवी पहलवानों के लिए भी उन्हें हराना कठिन रहा है। रीतिका के पास ताकत और तकनीक है पर वह मुकाबले के आखिरी 30 सेकंड में अंक खो देती हैं। अगर वह बढ़त भी बना लेती है, तो भी वह उन अंकों को खो सकती है।

अंशु मलिक (महिला 57 किग्रा) : जूनियर स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने के बाद सीनियर स्तर में जगह बनाने वाली अंशु पदक के दावेदारों में शामिल है। मैट पर तेज़ी से मूवमेंट करना और आक्रामक खेल शैली अंशु की सबसे बड़ी ताकत है। हालांकि उनकी फिटनेस कमजोर कड़ी है। वह कंधे की चोट से परेशान रही हैं। उनका दावा है कि यह सिर्फ गर्दन की ऐंठन है, लेकिन उसका परीक्षण नहीं किया गया है।

निशा दहिया (महिला 68 किग्रा) : निशा ने शुरू में काफी उम्मीद जगाई लेकिन चोटिल होने के कारण उनकी प्रगति पर प्रभाव पड़ा। वह अपनी आक्रामक शैली से मजबूत प्रतिद्वंदी को भी हैरान कर देती है। वह निडर होकर खेलती है जो उनका मजबूत पक्ष है। उन्हें हालांकि बड़ी प्रतियोगिताओं में खेलने का कम अनुभव है जो उनकी कमजोरी है। इसके अलावा मुकाबला लंबा चलने पर वह शिथिल पड़ जाती है।

कपिल ने ओलंपिक में भाग ले रहे खिलाड़ियों को दी ये सलाह

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने ओलंपिक में भाग ले रहे भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे बिना किसी दबाब के आजाद होकर अपने अनुसार खेलें। कपिल ने उम्मीद जतायी कि इस बार भारत के पदकों का आंकड़ा दो अंकों तक पहुंच जायेगा। ओलंपिक खेल पेरिस में 26 जुलाई से 11 अगस्त हो खेले जाएंगे। इस खेलों में भारत का 117 सदस्यीय दल भाग ले रहा है। करेगा और देश को तोक्यो में जीते सात पदकों की संख्या को बेहतर करने की उम्मीद है।

कपिल ने कहा, 'मैं किसी खिलाड़ी के लिए कुछ नहीं कह सकता पर उन्हें शुभकामनाएं जरुर दे सकता हूं और उम्मीद करता हूं कि हम इस साल और अधिक पदक जीतेंगे। उन्होंने कहा, 'मेरी सही खिलाड़ियों को सलाह है कि वह अपने अनुसार आजादी से खेलें और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करें। सभी को दल से अधिक से अधिक पदकों की उम्मीदें रहेंगी।

वहीं कपिल ने भारतीय क्रिकेट को लेकर उम्मीद जतायी कि नये मुख्य कोच गौतम गंभीर के आने से टीम पहले से और बेहतर प्रदर्शन करेगी। कपिल ने गंभीर के साथ ही टीम को भी शुभकामनाएं दी हैं। वहीं गोल्फ को लेकर कपिल ने उम्मीद जताई कि देश में यह खेल आगे बढ़ता रहेगा।

टीम चयन में दिखा गंभीर का प्रभाव , अय्यर की हुई वापसी

टी20 और एकदिवसीय में नजर आयी अलग-अलग टीम

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के नये मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कामकाज संभालते ही टीम बदलकर रख दी है। इसी कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को उनकी मांग मानते हुए एकदिवसीय और टी20 के लिए अलग-अलग टीमें बनायी हैं। एकदिवसीय टीम की कप्तानी जहां रोहित शर्मा के पास बरकरार है। वहीं टी20 की कप्तानी सूर्यकुमार यादव को मिल गयी है। इससे साफ है कि चयनसमिति ने गंभीर के सुझावों को पूरी तरह से माना है। इसी कारण टी20 में हार्दिक पंड्या को कप्तानी नहीं मिल पायी। इसके अलावा एकदिवसीय टीम में श्रेयस अय्यर की वापसी भी दिखा रही है कि गंभीर कितने प्रभावी हैं। अय्यर को घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा के कारण बाहर कर दिया गया था पर वह गंभीर के बेहद करीबी हैं। रोहित के इस दौरे के लिए उपलब्ध होने के कारण एकदिवसीय कप्तानी को लेकर कोई सवाल नहीं था पर टी20 में कप्तान का चयन कई दावेदारी के होने के कारण मुश्किल था। कप्तानी के बड़े दावेदार पंड्या ने 3 एकदिवसीय और 16 टी20 मैचों में भारत की कप्तानी की है। . टी20 विश्व कप में भी वह उपकप्तान रहे हैं। बीसीसीआई 2022 से ही उन्हें बतौर कप्तान तैयार कर रहा था पर गंभीर

के आते ही हालात बदल गये। पंड्या का कमजोर पक्ष ये है कि वह बार-बार चोटिल होते रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार गंभीर ने इसी कारण पंड्या की जगह सूर्यकुमार को कप्तान बनाने की पेशकश की थी। सूर्यकुमार को एकदिवसीय में शामिल नहीं किये जाने से साफ है कि गंभीर प्रारुप से हिसाव से टीम चयन में भरोसा करते हैं।

वहीं एकदिवसीय टीम में अय्यर की वापसी भी गंभीर के आते ही हुई है। अय्यर कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान हैं जबकि इस टीम के मेंटोर गंभीर थे। इसी कारण गंभीर के आते ही अय्यर को एक और अवसर मिल गया। अय्यर को इसी साल बीसीसीआई ने अनुशासनहीनता के आरोप में टीम से बाहर कर दिया था और उन्हें सालाना अनुबंध भी नहीं दिया था।

इसके अलावा गेंदबाज हर्षित राणा को एकदिवसीय टीम में शामिल किये जाने में गंभीर की राय अहम रही होगी। राणा घरेलू क्रिकेट में दिल्ली और आईपीएल में केकेआर के लिए खेलते है।

टी20 टीमः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप कप्तान), यशस्वी जयसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद, मोहम्मद सिराज.

एकदिवसीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उप कप्तान), विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद, हर्षित राणा।

गावस्कर ने तेज गेंदबाजों के बार-बार ड्रिंक ब्रेक लेने के प्रचलन को गलत बताया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आजकल जिस प्रकार तेज गेंदबाजों के लिए बार-बार ड्रिंक ब्रेक का प्रचलन शुरु हुआ है। वह सही नहीं है और इसे समाप्त कर देना चाहिये। खेल के दौरान आधिकारिक ड्रिंक ब्रेक के अलावा इस प्रकार का कोई ब्रेक जरुरी नहीं है। आजकल देखा गया है कि कई बार टीमें अपने तेज गेंदबाजों के लिए सीमा रेखा के पास ड्रिंक भी उपलब्ध कराती हैं। गावस्कर ने इन खिलाड़ियों के फिटनेस स्तर पर भी सवाल उठाया और कहा कि उन्हें केवल छह गेंदों के बाद पानी की जरूरत कैसी होती है। वहीं बल्लेबाज आधिकारिक ड्रिंक ब्रेक का इंतजार करते हैं।

गावस्कर ने लिखा, क्रिकेट में, गेंदबाजों, खासकर तेज गेंदबाजों द्वारा ओवर पूरा करने के बाद बाउंड्री लाइन पर ताजा पेय लेने की आधुनिक प्रथा अधिकारियों द्वारा इस प्रथा की अनदेखी का एक उदाहरण है। अगर गेंदबाज छह गेंदों पर पूरी ताकत लगाने के बाद अपने को हाइड्रेट करने जा रहे हैं, तो फिर ड्रिंक्स ब्रेक का मतलब क्या रह जाएगा जबकि बल्लेबाज को ओवर के बाद ड्रिंक लेने का मौका नहीं मिलता।

गावस्कर ने पहले आईसीसी द्वारा चोटिल बल्लेबाजों के लिए रनर की अनुमति देने के नियम को समाप्त करने के बाद अब गेंदबाजों के लिए ड्रिंक्स ब्रेक को खत्म करने को कहा है। गावस्कर ने सख्त नियम बनाने का सुझाव देते हुए कहा, क्रिकेट भी एक ऐसा खेल है जिसमें सहनशक्ति और धीरज मायने रखता है, चाहे कोई भी प्रारूप हो, इसलिए स्पष्ट रूप से, इसे उन दिनों की तरह वापस जाना चाहिए जब खेल के हर घंटे के बाद ही ड्रिंक्स ली जाती थी और उससे पहले केवल विपक्षी कप्तान और अंपायरों की अनुमति से ही ड्रिंक्स ली जाती थी।

व्यापार

माइक्रोसॉफ्ट का सर्वर डाउन, दुनिया भर में बैंकिंग, विमान और कंप्यूटर सर्विस बाधित

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में शुक्रवार को तकनीकी खराबी आने से दुनियाभर में एयरलाइंस की उड़ानों, टीवी टेलिकास्ट, बैंकिंग सहित कई कार्पोरेट कंपनियों के कामकाज पर इसका व्यापक असर पड़ा है। भारत समेत दुनिया के अधिकांश एयरपोर्ट पर चेक-इन और टिकट बुकिंग में परेशानी आ रही है। दिल्ली-मुंबई सहित विश्व के अधिकांश शहरों में फ्लाइट्स लेट हैं, जबकि कई उड़ानों को कैंसिल किया जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर ठप होने का असर पूरी दुनिया में हुआ है। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने इमरजेंसी बैठक बुलाई है। सर्वर ठप होने के बाद यूके का स्काई न्यूज ऑफ एयर हुआ है, जबकि स्टॉक एक्सचेंज भी प्रभावित हुआ है। दुनियाभर में एयरलाइंस

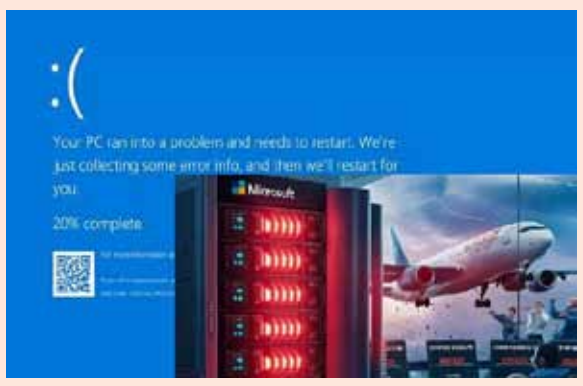

के सर्वर में खराबी आने से भारत समेत कई देशों में विमान सेवाएं प्रभावित हुई है। इस बीच भारत सरकार ने माइक्रोसॉफ्ट से संपर्क करने का प्रयास कर रही है। भारत में अधिकांश एयरलाइन कंपनियों इंडिगो, स्पाइसजेट, अकासा एयर, एयर इंडिया, विस्तारा और एयर इंडिया एक्सप्रेस की बुकिंग, चेक-इन और फ्लाइट सर्विस इस तकनीकी समस्या से प्रभावित हुई है। दिल्ली सहित अन्य एयरपोर्ट पर लोग सर्विसेज नहीं मिलने से परेशान हो रहे हैं। वहीं, हैदराबाद और बेंगलुरु में ज्यादातर कॉर्पोरेट कंपनीज में वायरस अटैक की बात कही जा रही है। हैदराबाद में कई कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को अगले दो घंटे तक अपने सिस्टम को ऑफ करने को कहा है। एयर इंडिया एयरयलाइंस ने कहा कि हमारा डिजिटल सिस्टम प्रभावित हुआ है। माइक्रोसॉफ्ट समस्या पर नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा कि अभी तक एयरलाइंस बंद करने पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। हैदराबाद एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स के लिए इंडिगो स्टाफ ने हाथ से लिखे बोर्डिंग पास का इस्तेमाल शुरू किया है। दिल्ली एयरपोर्ट में 35 तो मुंबई एयरपोर्ट में फ्लाइट्स 40 मिनट लेट चल रही है। माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में दिक्कत आने की वजह से कंप्यूटर सिस्टम ब्लू स्क्रीन में आने के बाद रीस्टार्ट हो रहे हैं। भारत समेत दुनियाभर में माइक्रोसॉफ्ट के उपयोगकर्ताओं ने सेवाओं में बड़े पैमाने पर व्यवधान की सूचना दी है।

रिकॉर्ड तेजी के बाद फिसला शेयर बाजार

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिले पाजिटिव संकेतों की वजह से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। हालांकि इन्फोसिस के शेयर में तेजी के बावजूद बड़े पैमाने पर मुनाफावसूली के चलते शेयर बाजार लाल निशान में चला गया। एनएसई निफ्टी 0.21 प्रतिशत बढ़कर 24,853.8 पर खुला जबकि एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 0.3 फीसदी की तेजी के साथ 81,580.54 अंक पर खुला, जो दोनों इंडेक्स के लिए आज तक का ऑल टाइम हाई लेवल है। हालांकि, बाजार ज्यादा देर तक तेजी को बरकरार नहीं रख सका और कुछ ही देर में लाल निशान में फिसल गया। इंफोसिस के शेयर में 4 प्रतिशत तक की बढ़त के कारण आईटी शेयरों में 1.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी सर्विस कंपनी ने गुरुवार को अपने 2024-25

की पहली तिमाही के नतीजे जारी कर दिए। इंफोसिस का तिमाही आधार पर मुनाफा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 20.1 प्रतिशत घटकर 6,368 करोड़ रुपये पर आ गया। कंपनी की अन्य इनकम 72 प्रतिशत गिरकर 733 करोड़ रुपये पर आ गई। वहीं राजस्व बढ़कर 39,315 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इंफोसिस ने स्थिर मुद्रा में अपनी आमदनी में बढ़ोतरी के अनुमान को बढ़ाकर तीन-चार प्रतिशत कर दिया है। इससे आईटी कंपनी के शेयरों में उछाल देखने को मिला है। सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, सन फार्मा और पावर ग्रिड में सबसे ज्यादा गिरावट आई। वहीं एशियन पेंट्स, आईटीसी, नेस्ले और अदानी पोर्ट्स प्रमुख रूप से ग्रीन निशान में कारोबार कर रहे थे। आईटी इंडेक्स के अलावा अन्य सभी 12 प्रमुख इंडेक्स में गिरावट दर्ज की गई। व्यापक, अधिक घरेलू स्तर पर केंद्रित स्माल कैप और मिड कैप में लगभग 0.8 फीसदी की गिरावट आई। टेक शेयरों में गिरावट जारी रहने के कारण एशिया प्रशांत क्षेत्र के बाजारों में दूसरे कारोबारी सत्र में भी गिरावट जारी रही। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया में एएसएक्स 200 और कोस्पी में क्रमशः 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग 1 प्रतिशत गिर गया। चीन में शंघाई कंपोजिट आधा प्रतिशत फिसल गया और जापान का निक्केई सपाट रेखा से थोड़ा नीचे था। अमेरिका में बाजार गिरावट के साथ बंद हुए, जिसमें डॉव जोन्स 1.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके अलावा एसएंडपी 500 में भी गिरावट आई और यह 0.78 प्रतिशत तथा नैस्डैक 0.70 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ।

सोने का भाव गिरा, चांदी भी फिसली

सोना 73,650, चांदी लगभग 90,950 रुपए

नई दिल्ली। सोने-चांदी के वायदा कारोबार में शुक्रवार को गिरावट देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव आज गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 73,650 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 90,950 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। सोने के वायदा भाव ने घरेलू वायदा बाजार में बुधवार को 74,471 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छुआ था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 345 रुपये की गिरावट के साथ 73,810 रुपये के भाव पर खुला। जो इस समय 516 रुपये की गिरावट के साथ 73,639 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के

वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 331 रुपये की गिरावट के साथ 91,441 रुपये पर खुला। इस समय यह 833 रुपये की गिरावट के साथ 90,939 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2448 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,456.40 डॉलर प्रति औंस था। जो 27.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,429.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.02 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव भी 30.22 डॉलर था। जो 0.44 डॉलर की गिरावट के साथ 29.78 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रुपया डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में

मुंबई। विदेशी निवेशकों और तेल कंपनियों की ओर से डॉलर की मांग बढ़ने, लगातार विदेशी फंड प्रवाह से मिल रहा समर्थन बेअसर होने से शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में रुपये ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में कारोबार शुरू किया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि कच्चे तेल के महंगे होने से रुपया प्रभावित हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। इसने अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.62 का उच्चतम स्तर और 83.65 का न्यूनतम स्तर छुआ। गुरुवार को रुपया पांच पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.63 के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.24 पर रहा।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 86 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, नई दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। इस बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन कच्चे तेल के मूल्य में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 86 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 83 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.44 डॉलर यानी 0.52 फीसदी की गिरावट के साथ 84.67 डॉलर और वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.57 डॉलर यानी 0.69 फीसदी टूटकर 82.55 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

धनुष की 50वीं फिल्म रायन का दमदार ट्रेलर आउट

भरपूर एक्शन मोड में नजर आए अभिनेता

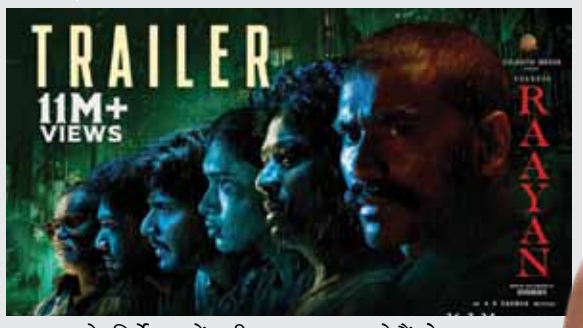

धनुष के निर्देशन में बनी बहुप्रतीक्षित फिल्म रायन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। मूवी में धनुष के अलावा प्रकाश राज, संदीप किशन, कालिदास जयराम, दुशारा विजयन, एसजे सूर्या, वरलक्ष्मी सरथकुमार और अपर्णा बालमुरली मुख्य भूमिकाओं में हैं। ट्रेलर रिलीज के साथ ही दर्शकों का खासा ध्यान आकर्षित कर रहा है। आगामी गैंगस्टर ड्रामा की झलकियों ने प्रशंसकों के उत्साह को काफी ज्यादा बढ़ा दिया है। रायन के ट्रेलर की शुरुआत धनुष के शरीर पर लगे खून को धोते हुए एक शॉट से होती है। जल्द ही, कालिदास और संदीप के पात्रों को किसी बात पर स्पष्ट रूप से नाराज दिखाया जाता है। सूर्या को एक अलग रोशनी में दिखाया गया है, जबकि प्रकाश उनका पीछा करता हुआ प्रतीत होता है। हालांकि, अंतिम दृश्य उन्हें बिल्कुल विपरीत दिखाता है, जब वह एक पुलिसकर्मी से बात करते हैं तो वह बहुत शांत नजर आते हैं। सन पिक्चर्स बैनर द्वारा निर्मित रायन 26 जुलाई को बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है। फिल्म का लेखन और निर्देशन धनुष ने किया है, जो फिल्म में मुख्य भूमिका में हैं। रायन धनुष की दूसरी निर्देशित फिल्म है, जो पा पांडी के बाद बनी है। एआर रहमान फिल्म का संगीत तैयार कर रहे हैं। कालिदास और संदीप, रायन के भाई की भूमिका में हैं, जबकि दुशारा उनकी बहन के किरदार में हैं। तकनीकी दल में सिनेमैटोग्राफर ओम प्रकाश और संपादक प्रसन्ना जीके शामिल हैं। रायन धनुष की बतौर मुख्य अभिनेता 50वीं फिल्म है। एक गैंगस्टर के इर्द-गिर्द घूमती एक एक्शन ड्रामा फिल्म रायन ने सेंसर की औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं और उसे ए सर्टिफिकेट मिल गया है।

समृद्धि शुक्ला ने अपनी वैनिटी वैन के खोले राज

बताया आखिर क्यों है उनके लिए खास

ये रिश्ता क्या कहलाता है में अभीरा के किरदार से एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला दर्शकों का दिल जीत रही हैं। उनके डेली रूटीन में वैनिटी वैन का क्या रोल है, इसको लेकर उन्होंने खुलकर बात की और कई राज खोले। अपने वैनिटी वैन के बारे में बात करते हुए समृद्धि ने कहा, मेरी वैनिटी के लिए मेरे कुछ प्वाइंट्स हैं, मैं अपना मेकअप किट खुद लेकर चलती हूं। मेरे साथ एक फूड बास्केट भी होता है जिसमें बहुत सारा खाना और बेवरेज होते हैं, जो मैं पूरे दिन पीती हूं। जरूरी मेकअप किट के अलावा, मेरी वैनिटी में एक स्पीकर भी है। अच्छा म्यूजिक सुनना सभी को पसंद होता है। म्यूजिक सुनते हुए चीजें करना और कॉफी पीने का मजा अलग होता है। समृद्धि ने आगे बताया, मैं वैनिटी वैन में काफी सोती हूं। मैं आमतौर पर अपना खाली समय कुछ और करने के बजाय सोने में बिताती हूं। जब म्यूजिक की बात आती है, तो समृद्धि का कोई फेवरेट म्यूजिक नहीं है। उन्होंने कहा, मेरा कोई फेवरेट म्यूजिक नहीं है, लेकिन अगर मुझे कोई एक चुनना हो, तो मैं कहूंगी कि मुझे क्लासिकल जैज बेहद पसंद है। यह बहुत अच्छा है, लेकिन मैं हमेशा यही नहीं सुनती। इसमें हमेशा बहुत सी चीज़ों का मिक्सअप होता है। मैं रैप सुनती हूं, मैं जैज सुनती हूं, मैं पॉप सुनती हूं, यह मेरे मूड पर निर्भर करता है, लेकिन मुझे लगता है कि मैं जैज ज्यादा पसंद करती हूं। समृद्धि के लिए, उनका वैनिटी वैन मेकअप रूम तैयार होने वाली जगह से कहीं ज्यादा है। यह एक पर्सनल स्पेस है, एक क्रिएटिव हब है, और एक ऐसी जगह है जहां हंसी और खुशी भरपूर है। चाहे वह सो रही हों या अपने पसंदीदा म्यूजिक पर डांस कर रही हों, उनकी वैनिटी डेली रूटीन का एक अहम हिस्सा है, जो सेट पर लंबे घंटों को आनंददायक बनाता है। ये रिश्ता क्या कहलाता है का निर्माण राजन शाही ने अपने बैनर डायरेक्टर कट प्रोडक्शन के तहत किया है। ये रिश्ता क्या कहलाता है स्टार प्लस पर प्रसारित होता है। टीवी एक्ट्रेस के अलावा समृद्धि शुक्ला वॉयस ओवर आर्टिस्ट हैं। उन्होंने द किसिंग बूथ 2, गुंजन सक्सेना, माइटी लिटिल भीम जैसे प्रोजेक्ट में अपनी आवाज दी है। उन्होंने सावी की सवारी से टीवी डेब्यू किया, लेकिन लोकप्रियता ये रिश्ता क्या कहलाता है से मिली।

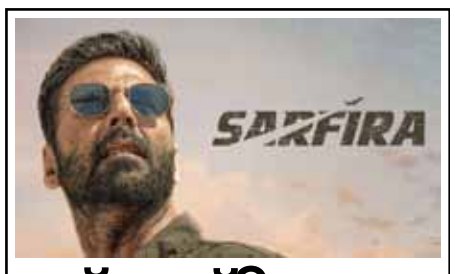

बॉक्स ऑफिस पर सरफिरा की दैनिक कमाई में मामूली बढ़त

सुधा कोंगारा के निर्देशन में बनी फिल्म सरफिरा में अक्षय कुमार की उम्दा अदाकारी की चारों और खूब तारीफ हो रही है, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म की कमाई के आंकड़े बेहद निराशाजनक हैं।12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई यह फिल्म टिकट खिड़की पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी।शुरुआत से सरफिरा की कमाई में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। हालांकि, रिलीज के पांचवें दिन फिल्म के कारोबार में मामूली उछाल आया है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, जहां सरफिरा ने चौथे दिन 1.45 करोड़ रुपये का कारोबार किया, वहीं रिलीज के पांचवें दिन यह फिल्म 1.95 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। इसी के साथ अब इस फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 15.4 करोड़ रुपये हो गया है।सरफिरा ने 2.50 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी।दूसरे दिन इस फिल्म ने 4.25 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 5.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। सरफिरा में अक्षय की जोड़ी राधिका मदान के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा गया और खूब प्यार भी मिल रहा है।परेश रावल और सीमा बिस्वास भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं। इस फिल्म को लगभग 100 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया है।सरफिरा दक्षिण भारतीय अभिनेता सूर्या की सुपरहिट फिल्म सोरारई पोटरू की आधिकारिक हिंदी रीमेक है, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी।अरुणा भाटिया, विक्रम मल्होत्रा, ज्योतिका और सूर्या इसके निर्माता हैं।

रिवीलिंग लहंगे में राशि खन्ना ने शेयर किया हॉट लुक

लेटेस्ट तस्वीरों से नजरें हटानी हुई मुश्किल

साउथ और बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस राशि खन्ना हमेशा अपनी बोल्ड तस्वीरें फैंस के बीच शेयर कर लोगों का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका ग्लैमरस अंदाज थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक्ट्रेस राशि खन्ना ने अपनी एक्टिंग के दम पर लोगों के बीच अपनी अच्छी पहचान बनाई हैं। वो भले ही ज्यादा फिल्मों ना दिखाई देती हों लेकिन आए दिन अपनी हॉट फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस राशि खन्ना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका ब्यूटिफुल एंड एलिगेंट लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। साथ ही उनके लुक्स की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। राशि खन्ना ने बेहद ही सिंपल व्हाइट और गोल्डन प्रिंट कलर का लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो बला की खूबसूरत नजर आ रही हैं। कानों में इयररिंग्स, गले में नेकलेस, बालों को अच्छे से स्टाइल कर के साथ ही मिनिमल मेकअप करवा के एक्ट्रेस राशि खन्ना ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देती हैं।

कल्कि 2898 एडी की कमाई में फिर आई तेजी

600 करोड़ से बस रह गई इतनी दूर

नाग अश्विन निर्देशित और प्रभास और दीपिका पादुकोण-स्टारर 'कल्कि 2898 एडी दर्शकों के दिलों दिमाग पर छाई हुई है. ये फिल्म बाक्स आफिस पर रिलीज होने के साथ धुआंधार कमाई कर रही है. हालांकि फिल्म की कमाई में रिलीज के तीसरे हफ्ते में काफी गिरावट दर्ज की जा रही है. बावजूद इसके 'कल्कि 2898 एडी बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए हैं. चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म ने रिलीज के 20वें दिन कितना कलेक्शन किया है? 'कल्कि 2898 एडी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. यहां तक कि प्रभास स्टारर ये फिल्म तीसरे हफ्ते में भी लेटेस्ट रिलीज अक्षय कुमार की सरफिरा और कमल हासन की इंडियन 2 से ज्यादा कमाई कर रही है. दरअसल इस साइंस फिक्शन फिल्म का क्रेज दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है जिसके चलते 'कल्कि 2898 एडी तीसरे हफ्ते में भी दर्शकों को सिनेमाघरों में खींच रही है. हालांकि अब फिल्म का बिजनेस भी कम हो रहा है. 'कल्कि 2898 एडी की कमाई की बात करें तो इस फिल्म ने पहले हफ्ते में 414.85 करोड़ की कमाई की थी. दूसरे हफ्ते में 'कल्कि 2898 एडी का कलेक्शन 128.5 करोड़ रहा. वहीं तीसरे हफ्ते के थर्ड फ्राइडे फिल्म ने 6 करोड़, तीसरे शनिवार फिल्म ने 14.35 करोड़, तीसरे रविवार 16.45 करोड़ और तीसरे सोमवार 3.85 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं अब फिल्म की रिलीज के 20वें दिन यानी तीसरे मंगलवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के 20वें दिन यानी तीसरे मंगलवार को 4.25 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ 'कल्कि 2898 एडी का 20 दिनों का कुल कलेक्शन अब 588.25 करोड़ रुपये हो गया है. 'कल्कि 2898 एडी की कमाई में तीसरे मंगलवार एक बार फिर तेजी देखी गई है. वहीं प्रभास की इस फिल्म के कलेक्शन की रफ्तार को देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि ये जल्द ही 600 करोड़ का आंकड़ा पार कर जाएगी और इसी के साथ ये फिल्म शाहरुख खान की 'जवान के लाइफटाइम कलेक्शन 643.87 करोड़ का रिकॉर्ड तोड़ने के भी काफी नजदीक पहुंच गई है. बता दें कि 'कल्कि 2898 एडी मल्टीस्टारर फिल्म है. 600 करोड़ की लागत से बनी इस फिल्म में प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन सहित कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है.

फिल्म स्त्री 2 का नया पोस्टर आया सामने

श्रद्धा कपूर समेत सभी कलाकारों की दिखी झलक

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री को दर्शकों का खूब प्यार मिला था।यह फिल्म साल 2018 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और अब 6 साल बाद स्त्री की दूसरी किस्त दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार है।स्त्री 2 का ट्रेलर कल यानी 18 जुलाई को रिलीज होगा।इससे पहले अब निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर साझा किया है, जिसमें राजकुमार से लेकर श्रद्धा समेत सभी कलाकारों की झलक दिखने को मिल रही है। श्रद्धा और राजकुमार के अलावा पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है।स्त्री 2 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना अक्षय कुमार-तापसी पन्नू की फिल्म खेल खेल में और अल्लू अर्जुन-रश्मिका मंदाना की फिल्म पुष्पा: द रूल से होगा।स्त्री 2 2024 की बहुप्रतीक्षित हॉरर कॉमेडी फिल्मों में से एक है। फिल्म का टीजर पहले ही दर्शको को काफी पसंद आया है। ऐसे में अब लोगों को फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म का टीजर 25 जून को रिलीज किया था। राजकुमार राव ने टीजर साझा कर लिखा था, इस बार चंदेरी में आजादी के दिन होगा आतंक! लीजेंड इस स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को वापस आ रहे हैं। टीजर की शुरुआत राजकुमार राव और अन्य लोगों द्वारा स्त्री की मूर्ति पर दूध चढ़ाने से होती है। टीजर में स्त्री के रूप में श्रद्धा कपूर की झलक दिखाई देती है। साथ ही तमन्ना भाटिया भी नजर आती हैं। फिल्म स्त्री 2 का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है। इसके निर्माता जियो स्टूडियोज और दिनेश विजान हैं। फिल्म का पहला भाग साल 2018 में रिलीज हुआ था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार किया था। यह फिल्म हिट हुई थी।

कमल हासन की इंडियन 2 को नहीं मिल रहे दर्शक, पांचवें दिन कमाए 3 करोड़ रुपये

कमल हासन स्टारर इंडियन 2 12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. दिग्गज अभिनेता की ये फिल्म साल 2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्म थी और ये रिकॉर्ड संख्या में स्क्रीन पर रिलीज हुई थी. हलांकि मच अवेटेड सीक्वल को सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद पॉजिटिव रिव्यू नहीं मिला लेकिन फिल्म की पहले दिन के लिए धुआंधार एडवांस बुकिंग हुई थी जिसके चलते इंडियन 2 ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी ओपनिंग की लेकिन फिर इसके बाद फिल्म की कमाई का ग्राफ गिरता चला गया. चलिए यहां जानते हैं इंडियन 2 ने रिलीज के पांचवें दिन यानी मंगलवार को कितना कलेक्शन किया है कमल हासन की इंडियन 2 को लेकर रिलीज से पहले काफी बज था. दरअसल ये फिल्म एक्टर की ब्लॉकबस्टर 1996 में आई इंडियन का सीक्वल है. ऐसे में फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी एक्साइटमेंट थी. वहीं सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद मेगा-बजट फिल्म की शुरुआत तो अच्छी रही लेकिन दूसरे दिन से ये थिएटर्स में दर्शकों के लिए तरसती हुई नजर आ रही है और इसी के साथ इंडियन 2 उम्मीद के मुताबिक बॉक्स ऑफिस पर परफॉर्म नहीं कर पा रही है. इंडियन 2 की कमाई की बात करें तो इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 25.6 करोड़ से खाता खोला था. इसके बाद दूसरे दिन फिल्म ने 18.2 करोड़ कमाए. तीसरे दिन इंडियन 2 का कलेक्शन 15.35 करोड़ रहा. वहीं चौथे दिन फिल्म की कमाई 3 करोड़ रुपये

हुई. वहीं अब इंडियन 2 की रिलीज के पांचवें दिन यानी मंगलवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक इंडियन 2 ने रिलीज के 5वें दिन 3 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसके बाद इंडियन 2 की पांच दिनों की कुल कमाई अब 65.15 करोड़ रुपये हो गई है. इंडियन 2 को दर्शकों से ठंडा रिस्पॉन्स मिल रहा है. इसकी एक वजह ये भी है कि इस फिल्म को प्रभास की ब्लॉकबस्टर कल्कि 2898 एडी से मुकाबला करना पड़ रहा है. कल्किन रिलीज के तीसरे हफ्ते में भी लेटेस्ट इंडियन 2 से ज्यादा कारोबार कर रही है. ऐसे में इंडियन 2 के लिए कल्कि के आगे टिकना मुश्किल हो रहा है.वहीं कल्कि ने हिंदी बेल्ट में भी अच्छा परफॉर्म किया है और 250 करोड़ से ज्यादा का कारोबार कर लिया है. वहीं इंडियन 2 को हिंदी भाषी क्षेत्रो में दर्शकों से बेहद ठंडा रिस्पॉन्स मिल रहा है. ऐसे में देखने वाली बात होगी कि क्या इंडियन 2 बॉक्स ऑफिस पर घटती कमाई के साथ शतक लगा पाती है या नहीं.

फिल्म औरों में कहां दम था के नए गाना जहां से चले थे जारी, अजय-तब्बू की दिखी शानदार केमिस्ट्री

नीरज पांडे के निर्देशन में बनी फिल्म औरों में कहां दम था पिछले कुछ समय से चर्चा का विषय बनी हुई है। अजय की यह फिल्म इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में शुमार है। इस फिल्म में एक बार फिर अजय देवगन और तब्बू की जोड़ी देखने को मिलेगी। दोनों ने कई हिट फिल्मों में साथ काम किया है। अब औरों में कहां दम था का नया गाना जहां से चले थे रिलीज हो गया है, जिसमें अजय-तब्बू की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। अजय देवगन और तब्बू स्टारर फिल्म औरों में कहां दम था एक अधूरी प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है। यह फिल्म 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। गोल्डन ग्लोब और ऑस्कर पुरस्कार विजेता एम एम कीरावणी उर्फ एम एम क्रीम ने फिल्म औरों में कहां दम था का गाना जहां से चले गाना कंपोज किया है। निर्माता-निर्देशक नीरज पांडे की फिल्म औरों में कहां दम था के इस गाने में कृष्णा और वासु की प्रेम कहानी को बेहतरीन तरीके से दिखाया गया है। इस गाने में 23 सालों के लंबे इंतजार के बाद फिर से दो बिछड़े प्रेमी किस तरह से दोबारा मिलते हैं, उसको दर्शाया गया है। इस गाने में कृष्णा और वसुधा के उस पल को दर्शाया गया, जब ये दोनों एक-दूजे से जुदा हो जाते हैं। जहां से चले गाने को सुनिधि चौहान और जुबिन नौटियाल ने अपनी आवाज दी है। औरों में कहां दम था 2 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।